सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 07 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 19 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

भाजपा जल्द प्रत्याशी घोषित करने की तैयारी में

❑ कांग्रेस ने भी तेज की प्रक्रिया, कल सम्मेलन ❑

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधानसभा के उपचुनाव को लेकर बिसात बिछ चुकी है। अब भाजपा व कांग्रेस के प्रत्याशियों की घोषणा का इंतजार किया जा रहा है। भाजपा ने जहां आंतरिक सर्वे के आधार पर सामने आए 6 नामों में से 3 नामों का पैनल बनाकर आलाकमान को भेज दिया है, वहीं कांग्रेस में प्रत्याशी चयन की कवायद कल 20 अक्टूबर से प्रारम्भ होने जा रही है। कांग्रेस का रविवार को कार्यकर्ता सम्मेलन आहूत किया गया है। इस सम्मेलन में प्रत्याशी के नाम पर आम सहमति बनाने की कोशिश होगी। इसके बाद जो भी नाम सामने आएंगे, उन्हें दिल्ली भेज दिया जाएगा। भाजपा क्योंकि यह काम पहले ही कर चुकी है, इसलिए संभावना जताई जा रही है कि वह कल यानी रविवार को अपना प्रत्याशी घोषित कर सकती है। हालांकि पार्टी के प्रादेशिक नेताओं में फिलहाल इसे लेकर एकराय नहीं है। राज्य निर्माण के बाद की बात करें तो रायपुर दक्षिण सीट का इतिहास बेहद रोचक रहा है। यहां भाजपा के बृजमोहन अग्रवाल ने लगातार 8 बार जीत दर्ज की है, वहीं हर बार निर्दलीय चुनाव लड़ने वालों की जमानत जब्त हुई है।

राज्य की इकलौती रायपुर दक्षिण सीट पर चुनावी बिगूल बजने के साथ ही राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी बिसात बिछाना शुरू कर दिया है। फिलहाल दोनों ही प्रमुख राजनीतिक दलों भाजपा व कांग्रेस में प्रत्याशियों का इंतजार है। उम्मीद की जा रही है कि दोनों ही दल नामों को लेकर ज्यादा विलम्ब नहीं करेंगे। भाजपा में एक या दो दिन के भीतर प्रत्याशी घोषित करने की खबरें आ रही है, वहीं कांग्रेस भी 24 तारीख तक अपने प्रत्याशी का ऐलान कर सकती है। कांग्रेस ने 20 अक्टूबर को आशीर्वाद भवन, रायपुर में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया है, जिसमें प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट भी शिरकत करेंगे। इसके बाद प्रत्याशी के नाम पर सहमति बनाने के लिए प्रदेश चुनाव समिति की बैठक होगी, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं और प्रभारियों से फीडबैक लिया जाएगा। पहली बैठक में ही आम सहमति बनाकर पैनल सीधे शीर्ष नेतृत्व के पास भेजा जाएगा।

भाजपा की ओर से तीन नाम तय

भाजपा ने हाल ही में तीन नामों का पैनल दिल्ली भेजा था। लेकिन कहा जा रहा है कि आलाकमान इन नामों के अलावा भी कुछ अन्य नामों पर विचार कर सकता है। दरअसल, पार्टी के आंतरिक सर्वे के आधार पर 6 नाम सामने आए थे, जिनमें से 3 नामों को उपयुक्त माना गया। वर्ष 2008 के परिसीमन के बाद रायपुर शहर और ग्रामीण की दो विधानसभा सीट को बांटकर चार सीटें बनाई थी। बृजमोहन अग्रवाल ने जो जीत का सिलसिला शुरू किया वो सिलसिला 2024 तक जारी रहा। बृजमोहन अग्रवाल के सांसद बनने के बाद इस सीट पर उपचुनाव कराया जा रहा है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्षेत्र में भाजपा के अपराजेय रहने का जो रिकार्ड बृजमोहन अग्रवाल ने बनाया है, वह कायम रहता है या कांग्रेस कोई करिश्मा करती है। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने इस बार उलटफेर का दावा किया है। उन्होंने कहा है कि इस बार कांग्रेस दक्षिण पर जीत का परचम लहराएगी।

भाजपा-कांग्रेस में ही मुख्य मुकाबला

रायपुर दक्षिण सीट के इतिहास को देखें तो यहां राज्य निर्माण के बाद से भाजपा व कांग्रेस के बीच ही मुख्य मुकाबला होता रहा है। दीगर दलों या निर्दलियों को यहां हमेशा मुंह की खानी पड़ी है। इस बार भी माना जा रहा है कि दोनों दलों के अलावा किसी अन्य का विकल्प क्षेत्र के मतदाता नहीं चुनेंगे। हालांकि यहां हुए अब तक के चुनावों को देखें तो बड़ी संख्या में निर्दलीय मैदान में उतरते रहे हैं। भाजपा के निर्विवाद और अजेय लीडर होने की वजह से बृजमोहन के रहते यहां कोई और प्रत्याशी सामने नहीं आया था, लेकिन इस बार भाजपा में ही बड़ी संख्या में लोगों ने दावेदारी की। इसकी एक प्रमुख वजह यह है कि इस सीट को जीत की गारंटी माना जाता है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता चाहता है कि उसे यहां से टिकट मिले, ताकि वह एकतरफा जीत हासिल कर सके। वहीं प्रदेश में भाजपा की सरकार होने की वजह से बहुत सारे लोग जीत की एकतरफा उम्मीद लगाए बैठे हैं। इस बात की पूरी संभावना है कि भाजपा रायपुर दक्षिण उपचुनाव की कमान बृजमोहन अग्रवाल को ही सौपेंगी।

कांग्रेस चाहती है मजबूत प्रत्याशी

क्षेत्र में इस बार का चुनाव पिछले चुनावों से अलग होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि बृजमोहन अग्रवाल के मैदान में होने से माहौल एकतरफा हो जाता था। उनके सामने कांग्रेस प्रत्याशी असहाय नजर आते थे। कार्यकर्ताओं में भी उत्साह नजर नहीं आता था। लोगों के बीच यही चर्चा रहती थी कि बृजमोहन अग्रवाल को हराना किसी के लिए भी टेढ़ी खीर है। बृजमोहन अग्रवाल के चुनावी प्रबंधन के सामने कांग्रेस के उम्मीदवार करीब-करीब हथियार डालते नजर आते थे। इस बार भाजपा की ओर से नया प्रत्याशी रहेगा, ऐसे में कांग्रेस मजबूत प्रत्याशी उतारना चाहती है। इसके लिए पूरी गम्भीरता से कोशिशें जारी है। भाजपाई व्यूह को भेदने के लिए कांग्रेस की बैठकें लगातार चल रही है। प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज के साथ प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में शुक्रवार को पहले बूथ कमेटियों के प्रभारियों तथा इसके बाद दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ नेताओं की बैठक हुई। बैज ने दक्षिण विधानसभा के अंतर्गत आने वाले 253 बूथों के अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं से बूथ में उतरकर कड़ी मेहनत करने तथा भाजपा सरकार के 11 माह के कार्यकाल की विफलताओं को लोगों तक पहुंचाने की अपील की। उन्होंने कार्यकर्ता सम्मेलन में ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाने के लिए वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी दी।

जातिगत समीकरण में उलझी पार्टियां

भाजपा व कांग्रेस दोनों ही पार्टियों ने अब तक अपने प्रत्याशी तय नहीं किए हैं। आंतरिक सूत्र बताते हैं कि दोनों ही पार्टियां जातिगत समीकरणों में उलझ गई हैं। हालांकि भाजपा प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया के मामले में कांग्रेस से आगे है, लेकिन कहा जा रहा है कि रविवार को प्रत्याशी घोषित करने की संभावनाओं के बीच नाम की घोषणा में कुछ और विलम्ब भी संभव है। भाजपा कोरग्रुप व चुनाव प्रबंधन समिति तीन दिन पहले ही नामों का पैनल दिल्ली दरबार को भेज चुकी है। बावजूद इसके दिल्ली में फिलहाल कोई सुगबुगाहट नजर नहीं आ रही है। कहा जा रहा है कि पार्टी इस ऊहापोह में है कि प्रत्याशी चयन में अनुभव को प्राथमिकता दे या किसी नए चेहरे को सामने लाया जाए। दूसरी ओर कांग्रेस की नजर भाजपा द्वारा प्रत्याशी घोषित किए जाने पर है। इन सबसे अलग दोनों ही पार्टियों के मुख्य दावेदारों ने इंटरनेट मीडिया के साथ ही व्यक्तिगत संपर्क करते हुए अपना प्रचार-प्रसार भी शुरू कर दिया है।

खास-खबर

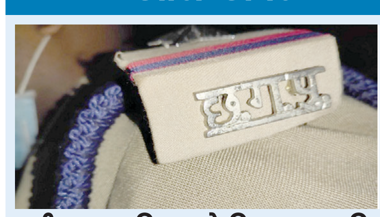

छत्तीसगढ़ पुलिस को मिला राष्ट्रपति का पुलिस ध्वज सम्मान

नईदिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ पुलिस को राष्ट्रपति का पुलिस ध्वज सम्मान मिला है, यह विशेष ध्वज देश के चुनिंदा राज्यों की पुलिस इकाइयों को दिया जाता है। जो 25 वर्षों की अनुकरणीय सेवा और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ पुलिस ने नक्सल मोर्चे पर साहस और दृढ़ता के साथ कठिन चुनौतियों का सामना करते हुए यह सम्मान अर्जित किया है, जो उनकी उत्कृष्ट सेवा का प्रमाण है।

छत्तीसगढ़ सरकार ने 16 फरवरी 2018 को गृह विभाग के माध्यम से यह प्रस्ताव भेजा था, जिसे अब स्वीकृति मिली है। इस सम्मान के साथ, पुलिस बल के जवान इस ध्वज की प्रतिकृति को अपनी वर्दी पर प्रतीक चिन्ह के रूप में धारण करेंगे, जो उनके शौर्य और सेवा का प्रतीक होगा। राष्ट्रपति ध्वज किसी भी पुलिस या सैन्य बल के लिए सर्वोच्च मान्यता मानी जाती है और यह छत्तीसगढ़ पुलिस की निष्ठा, कर्तव्यपरायणता और परिश्रम की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना को दर्शाता है।

कुसमुंडा-खदान में जवान ने सर्विस रायफल से खुद को मारी गोली

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एसईसीएल की कुसमुंडा खदान में ड्यूटी पर तैनात त्रिपुरा राइफल्स के जवान ने सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। गोली लगने से उसकी मौके पर मौत हो गई। वारदात शुक्रवार रात लगभग 11 बजे की है। मामला कुसमुंडा थाना क्षेत्र का है।

त्रिपुरा राइफल्स के जवान का नाम आजाद सिंह है। सर्विस राइफल (एके-47) से खुद पर फायरिंग की है। मौके पर खून ही खून बिखरा मिला। वारदात के बाद खदान में लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। जानकारी मिलते ही SECL और त्रिपुरा राइफल्स के अधिकारी मौके पर पहुंचे। फिर सूचना कुसमुंडा थाने को दी गई। वहीं पुलिस ने मौके से शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

कुसमुंडा थाना प्रभारी निरीक्षक रूपक शर्मा ने बताया कि घटनास्थल को सुरक्षा घेरे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम भी मौके पर पहुंची है। खदान में इस तरह की यह पहली घटना है। पुलिस ने बताया कि शव के पास से एक मोबाइल मिला है। वहीं हेडफोन भी गले के पास रखा हुआ था। अंदाजा लगाया जा रहा है कि मौत से पहले उसने किसी से फोन पर बातचीत की है। इसके बाद उसने यह कदम उठाया है। एसईसीएल के पीआरओ डॉ. सनीश चन्द्र ने बताया कि आज़ाद सिंह शुक्रवार की रात सुरक्षा ड्यूटी में तैनात था। जवान ने खुद को कोल स्टाफ नंबर 29 के पास अपनी सर्विस राइफल से गोली मारी है। उनके साथियों ने जानकारी दी है कि पारिवारिक विवाद से जवान तनाव में था।

ऑक्सीजन सिलेंडर चोर गिरोह पकड़ाया : 10 लाख के 103 सिलेंडर जब्त, औने-पौने दाम में बेचकर करते थे पार्टी

जामुल पुलिस की गिरफ्त में आए ऑक्सीजन सिलेंडर चोर

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

भिलाई। जामुल पुलिस ने शहर के एक बड़े ऑक्सीजन सिलेंडर चोर गिरोह को पकड़ा है। गिरोह के सदस्य औने पौने दाम में सिलेंडर बेचकर पार्टी करते थे। पुलिस ने इस गिरोह के पास से 10 लाख रुपए से ज्यादा कीमत के 103 सिलेंडर जब्त किया है। पुलिस ने 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस को दो अन्य आरोपियों की अभी भी तलाश है।

मिली जानकारी के अनुसार ऑक्सीजन सिलेंडर चोरी की शिकायत ऑक्सीजन रिफलिंग फैक्ट्री के संचालक राकेश शर्मा ने दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनके फैक्ट्री से पिछले कई महीनों से लगातार ऑक्सीजन सिलेंडर चोरी हो रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू की। चोरों का पता लगाने के लिए पुलिस ने आसपास पतासाजी की। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी में कंपनी का एक कर्मचारी शामिल है जो यहां सिलेंडर ले जाने वाली गाड़ियों के चालकों के साथ यह सारा खेल करत है।

क्लू मिलने के बाद पुलिस ने कंपनी के कर्मचारी को हिरासत में लिया और पूछताछ की। पूछताछ में उसने सारी सच्चाई उगल दी। कंपनी का कर्मचारी गाड़ी में चोरी से सिलेंडर अधिक लोड करता था। इसके बाद वह उसे ले जाकर बाहर औने पौने दाम में बेच देते थे। आरोपी 10 हजार रुपए का सिलेंडर 200 रुपए में बेचता था और उन पैसों के साथ पार्टी करते थे। आरोपी इन सिलेंडर को रायपुर के एक व्यापारी को बेचते थे। व्यापारी इन सिलेंडर को हॉस्पिटलों में खपा देता था। पुलिस को अभी दो मुख्य आरोपियों की तलाश है। पुलिस ने अब तक 103 सिलेंडर जब्त किए हैं जिनकी कीमत 10 हजार 32 हजार रुपए है।

पकड़े गए आरोपियों में ज्ञानेंद्र गुप्ता (40) निवासी उरला रायपुर, पंचराम यादव, निवासी जामुल भिलाई, चैन सिंह देवांगन निवासी मुड़पार थाना जामुल भिलाई, रविशंकर यादव, निवासी जामुल भिलाई, नकुल विश्वकर्मा (40) निवासी शंकर नगर क्रांति चौक थाना जामुल, मुन्नालाल (38) निवासी जामुल, अरुण पटेल (34) निवासी मंगल बाजार जामुल, नरेश कुमार (40) निवासी घासीदास नगर जामुल, राकेश पाल (35) निवासी नारधा थाना जामुल और सोनू शर्मा (35) निवासी जामुल शमिल हैं।

क्या हो अगर संबंधों में नखरे न हों

श्रीकंचनपथ

आपसी संबंधों में नखरे न हों, नोक-झोंक न हो तो बहुत जल्द वो नीरस हो जाते हैं। वैवाहिक संबंध भी इसके अपवाद नहीं हैं। पर लगता है आधुनिक शिक्षा ने इस एक सत्य को भुला दिया है। अब सब कुछ एक तय फार्मेट से चलता है। किसे कब क्या करना है और उससे कब क्या अपेक्षित है, इसे परिभाषित कर दिया गया है। इसे लेकर अब न्यायपालिका अपना सिर धुन रही है। मसला है मैरिटल रेप का। 2022 की गर्मियों में दिल्ली हाइकोर्ट के दो जजों ने इसपर अपनी राय दी। जस्टिस राजीव शकधर का मानना था कि मैरिटल रेप का अपवाद कानून रद्द कर दिया जाना चाहिए। वहीं जस्टिस सी हरिशंकर ने कहा कि यह अपवाद असंवैधानिक नहीं है। इससे लगभग एक साल बाद साल 2023 में कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस एम नागप्रसन्ना ने कहा कि इस तरह के यौन हमले के लिए पति को पूरी तरह छूट नहीं दी जा सकती। भारतीय न्याय संहिता की धारा 63 के अपवाद 2 के मुताबिक मैरिटल रेप को अपराध नहीं माना गया है। यानी भारत में अगर पति अपनी पत्नी की सहमति या बिना सहमति के शारीरिक संबंध बनाता है तो उसे रेप नहीं माना जाता है। इस मामले में केन्द्र सरकार का कहना है कि पति-पत्नी के बीच बिना इजाजत के संबंध बनाने को अपराध घोषित करने पर विवाह संस्था अस्थिर होगी। बीएनएस की धारा 63 से अपवाद हटाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में जो तर्क दिये गये उनमें प्रमुख है यह समानता, गरिमापूर्ण जीवन और व्यक्तिगत यौन जीवन में स्वतंत्रता के अधिकारों के खिलाफ है। यह भी कहा गया कि मैरिटल रेप को अपराध नहीं मानना विवाहित और अविवाहित महिलाओं के बीच अंतर पैदा करता है। यहां कुछ घटनाओं का उल्लेख करना अप्रासंगिक नहीं होगा। एक व्यक्ति लगभग प्रतिदिन काम से लौटने के बाद अपनी पत्नी को पीटा करता था। पर सुबह उनके बीच सब-कुछ ठीक रहता था। एक दिन जब मोहल्ले के युवकों ने बीच-बचाव का प्रयास किया तो पत्नी ने पलटकर उनपर ही अपनी भड़ास निकाली। कहा- मेरा पति मुझे पीट रहा है तो तुम्हारा क्या? यह हमारा आपसी मामला है। सोशल मीडिया पर पहचान और प्रेम के बाद एक युवा जोड़े ने विवाह कर लिया। छह-सात महीने बाद युवती ने अपने शहर की अदालत में जाकर दहेज प्रताड़ना और घरेलू हिंसा का केस दर्ज कर दिया। फटाफट गिरफ्तारियां भी हुईं। बाद में खुलासा हुआ कि युवती ने सिर्फरकम ऐंठने के लिए विवाह किया था। विवाह के बाद भी कभी दोनों में संबंध नहीं बने। अदालत ने इसे पति के प्रति क्रूरता माना। दरअसल, संबंधों को नियम-कानूनों से नहीं बांधा जा सकता। इसका एक बड़ा हिस्सा मनोविज्ञान से जुड़ा है। वैसे भी पति-पत्नी के संबंध बेहद निजी होते हैं। स्त्री-पुरुष संबंधों में हर 'हां' का मतलब 'हां' और हर 'ना' का मतलब 'ना' नहीं होता। इसे दंपति के विवेक पर छोड़ देना चाहिए।

संपादकीय

नागरिकता से न्याय

सर्वोच्च न्यायालय ने नागरिकता अधिनियम के अनुच्छेद 6ए की सांविधानिकता को बरकरार रखकर सही फैसला लिया है। वैसे पांच न्यायाधीशों की पीठ इस फैसले पर एकमत नहीं थी और अंतत: फैसला चार-एक से 6ए के पक्ष में आया है। भारतीय नागरिकता देने से संबंधित इस प्रावधान का विशेष महत्व है। सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले से बांग्लादेश से आकर भारत में बसे उन लोगों को नागरिकता मिल जाएगी, जो जनवरी 1966 से 25 मार्च 1971 के बीच भारत आए हैं। अदालत में अनुच्छेद 6ए को एकाधिक याचिकाओं के जरिये चुनौती दी गई थी कि नागरिकता देने की कोई समय-सीमा न रखी जाए, लेकिन न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया कि असम में प्रवेश और नागरिकता देने के लिए 25 मार्च 1971 की अंतिम तिथि सही है। भारत के प्रधान न्यायाधीश धनंजय वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा का बहुमत का फैसला इस बात पर सर्वसम्मत था कि साल 1985 में संसद द्वारा बनाया गया कानून एक विधायी समाधान है, जिसे संसद ने प्रभावी बनाया है। यह असम समझौता असमिया संस्कृति, विरासत, भाषायी और सामाजिक पहचान को सुरक्षित-संरक्षित करने के मकसद से किया गया था।

> *जिस 6ए को चुनौती दी गई थी, उसकी पृष्ठभूमि को समझना जरूरी है। यह तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के नेतृत्व वाली सरकार, असम सरकार और ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन के बीच खोजा गया एक सही सियासी समाधान था। असम में इस कानून के लिए विशेष रूप से छात्रों ने छह साल तक प्रदर्शन किया था, तब जाकर समझौता हुआ था और कानून बनाया गया था। यह कानून न बनता, तो शायद बांग्लादेश की ओर से लोगों का आना कम नहीं होता।*

वैसे एक पहलू यह भी है कि कानून बनने के बावजूद बांग्लादेश से लोगों का आना रुका नहीं है और इसी आधार पर एक न्यायाधीश बहुमत के फैसले से असहमत हैं। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला के मुताबिक, सांस्कृतिक-सामाजिक संरक्षण का मकसद पूरी तरह से हल नहीं हुआ है और ऐसे में, अनुच्छेद 6ए को असांविधानिक माना जा सकता है। हालांकि, यह एक बहुत गंभीर सवाल है कि साल 1971 के बाद असम या भारत में आए लोगों को भी अगर स्वीकार कर लिया जाए, तो क्या होगा? ऐसी ढिलाई या उदारता अन्य लोगों को भी भारत आने के लिए उकसाएगी। अत: संस्कृति और आबादी के ढांचे को बचाने के लिए कड़े कानूनों की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता।

आज लोगों का एक से दूसरे देश में अवैध पलायन और उसके बाद नागरिकता के सवाल पर भारत ही नहीं, हरेक देश का चिंतित होना स्वाभाविक है। सबको अपने हित में कानून बनाने व लागू करने का हक है। यह अच्छी बात है कि हमारी अदालतों को भी चिंता है कि भारतीय राज्य का चरित्र नहीं बदलना चाहिए। बाहर से आने वाली कोई भी संस्कृति स्थानीय बसावट को मुश्किल में डालती है। आजकल स्वयं बांग्लादेश म्यांमार से आई रोहिंग्या आबादी की वजह से बहुत परेशान है और वह अपनी परेशानी संयुक्त राष्ट्र में भी कई बार उठा चुका है। ध्यान देने की बात है कि मुस्लिम राष्ट्र बांग्लादेश में भी मुस्लिम रोहिंग्या को शरण देने में समस्या हो रही है और वह अपनी अर्थव्यवस्था व सामाजिकता के बारे में सोच रहा है। भारत को धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि अपने व्यापक सामाजिक-आर्थिक हित के आधार पर ही सोचना चाहिए और तभी किसी को नागरिकता देनी चाहिए।

नजरिया

भारत में स्वास्थ्य सेवा में बदलाव: आयुष्मान भारत पीएमजेएवाई का प्रभाव और वादा

राजू (बदला हुआ नाम), आयु 18 वर्ष, को सामान्य रूप से चलते हुए भी सांस लेने में तकलीफ होती थी और वह थकान महसूस करता था। साल 2017 में उसे सीने में दर्द के कारण दिल की गंभीर बिमारी से पीड़ित होने के बारे में पता चला। इलाज की अंतहीन जद्दोजहद में उसके पिता ने परिवार के मवेशी और जमीन तक बेच डाली और पांच लाख रुपये से अधिक रकम के कर्ज में डूब गए।

विनोद के पॉल

साल 2019 में, उन्हें आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएमजेएवाई) की ओर से एक पत्र मिला,लेकिन उन्?होंने इसको ज्?यादा अहमियत नहीं दी। साल 2022 में, राजू की हालत बिगड़ गई, जिसके लिए फौरन सर्जरी करने की आवश्यकता थी। वे हताश और बेबस हो चुके थे। तभी अस्पताल के एक कर्मचारी ने उनके परिवार को पीएमजेएवाई के बारे में पता करने की सलाह दी और उनकी पात्रता की पुष्टि की। इसकी बदौलत राजू की लगभग 1.83 लाख रुपये की लागत वाली जीवन रक्षक सर्जरी संभव हो सकी। आखिरकार, 67 दिन बाद उसे नए सिरे से जिंदगी शुरु करने के लिए अस्पताल से छुट्टी दे मिल गई।

आशा, सेहत और खुशी से भरपूर यह कहानी, उन अनगिनत कहानियों में से एक है, जो एबी पीएमजेएवाई के लाभार्थियों के जीवन के इर्द-गिर्द बुनी गई हैं। बीते छह वर्षों में इस योजना के तहत अस्पतालों में लगभग 7.8 करोड़ दाखिलों के साथ पीएम-जेएवाई ने लाखों लोगों के जीवन को बेहतर बनाया है और उनके प्राणों की रक्षा की है और साथ ही, उन रोगियों के परिवारों को अस्पताल के खर्च के कारण गरीबी और पीड़ा के चंगुल में फंसने से भी बचाया है। यह योजना माननीय प्रधानमंत्री द्वारा परिकल्पित सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) के लिए भारत की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

पीएमजेएवाई ने प्रति लाभार्थी परिवार द्वितीयक और तृतीयक उपचार के लिए 5 लाख रुपये तक की नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवा प्रदान करके सरकारी और निजी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवा प्रदायगी के आधार को छुआ है। निजी स्वास्थ्य बीमा कंपनियों द्वारा प्रचारित भारी-भरकम रकम की तुलना में यह राशि छोटी लग सकती है, लेकिन योजना की रूपरेखा और पैमाने को देखते हुए लाखों परिवारों के लिए इस राशि का प्रभाव जीवन बदलने वाला और जीवन रक्षक है।

योजना की रूपरेखा के अनुसार, पीएमजेएवाई का उद्देश्य अस्पताल में भर्ती रोगियों को द्वितीयक और तृतीयक देखभाल उपलब्ध कराना है, तथा बहिरंग रोगी सेवाएं इस योजना के अंतर्गत नहीं आती। एक महत्वाकांक्षी व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल मिशन के माध्यम से सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) के इस दूसरे घटक पर समान रूप से गौर किया जा रहा है, जिसके तहत 1,75,000 से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) स्थापित किए गए हैं, जिन्हें पहले स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र कहा जाता था। इनमें नि:शुल्क परामर्श, और कई दवाएं (172 तक) और निदान (63 तक) नि:शुल्क प्रदान किए जा रहे हैं। वर्तमान में सरकारी प्रयासों का केंद्र इन दोनों प्रणालियों में देखभाल का सुदृढ़ दो-तरफा सम्मिलन और निरंतरता है। भारत का यूएचसी मॉडल सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा पर आधारित है। स्वास्थ्य नीति और सेवाओं को अलग-थलग करके नहीं अपितु समग्रता में देखे जाने की आवश्यकता है।

इस योजना के कार्यान्वयन के दौरान, स्वास्थ्य लाभ पैकेज (एचबीपी) के तहत प्रक्रियाओं और कीमतों को संशोधित और युक्तिसंगत बनाया गया है। साल 2018 में एचबीपी की संख्या 1393 थी, जो 2022 तक बढ़कर 1949 हो गई। स्वास्थ्य सेवाओं की लागत में क्षेत्रीय भिन्नता को ध्यान में रखते हुए, विभेदक मूल्य निर्धारण की अवधारणा शुरू की गई है। साथ ही, स्थानीय संदर्भ के अनुसार एचबीपी दरों को और अधिक अनुकूलित करने के लिए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अतिरिक्त लचीलापन प्रदान किया गया है।

सेवाओं की निर्बाध प्रदायगी सुनिश्चित करने और व्यवस्था में दुरुपयोग की गुंजाइश को कम करने के लिए पीएमजेएवाई स्वाभाविक रूप से प्रौद्योगिकी-संचालित है, और पेपरलेस या कागज़ रहित होने के साथ-साथ कैशलेस या नकदी रहित भी है। इसमें प्रतिपूर्ति या सह-भुगतान का कोई प्रावधान नहीं है। हालांकि अधिकांश दावों का निपटान समय पर होता है, लेकिन राज्यों के साथ साझेदारी में और सुधार लाने के लिए गहन प्रयास किए जा रहे हैं।

इस योजना की सफलता और जन कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता के कारण इस वर्ष इसके दायरे को बढ़ाने के लिए दो बड़े कदम उठाए गए हैं। अंतरिम बजट में सरकार द्वारा इस योजना को विस्तारित करते हुए आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के लगभग 37 लाख परिवारों को इसके दायरे में लाया गया।

दूसरा, भारत की बढ़ती जीवन प्रत्याशा के मद्देनजर, एक और बड़ा कदम सरकार का 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों को उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति की परवाह न करते हुए पीएमजेएवाई कवरेज देने का निर्णय है। इससे 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों वाले 4.5 करोड़ परिवारों को लाभ होगा। भारत में राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (एनएसएस) की स्वास्थ्य से संबंधित 75वें चरण की रिपोर्ट से पता चलता है कि इस आयु वर्ग के लिए अस्पताल में भर्ती होने की दर 11 प्रतिशत से अधिक है। लॉन्गिट्यूडिनल एजिंग स्टडी ऑफ इंडिया (एलएएसआई) की 2021 की रिपोर्ट से पता चलता है कि 75 प्रतिशत बुजुर्गों को एक या एक से अधिक पुरानी बीमारियां हैं, 40 प्रतिशत को किसी न किसी तरह की विकलांगता है, और 4 में से 1 बहु-रुग्णता से पीड़ित है। उल्लेखनीय रूप से, 58 प्रतिशत बुजुर्ग आबादी महिलाओं की है, जिनमें 54 प्रतिशत विधवाएं हैं। वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित अनेक निजी बीमा उत्पादों के विपरीत, पीएमजेएवाई किसी भी वरिष्ठ नागरिक को पहले से चली आ रही बीमारी के कारण बाहर नहीं करता है; न ही यह लाभ देने से पहले किसी वर्ष की प्रतीक्षा अवधि की शर्त रखता है। वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य देखभाल संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करके यह योजना उन्हें स्वस्थ और सम्मानजनक जीवन जीने में समर्थ बनाती है।

पीएमजेएवाई सार्वजनिक और निजी स्वास्थ्य क्षेत्रों को एक राष्ट्र, एक प्रणाली के सूत्र में जोड़ता है। वर्तमान में, पीएमजेएवाई के पास 29,000 से अधिक सूचीबद्ध अस्पतालों का अखिल भारतीय नेटवर्क है, जिनमें लगभग 13,000 निजी अस्पताल शामिल हैं। इसके अलावा, इनमें से लगभग 25,000 अस्पताल टियर-2 और टियर-3 शहरों में स्थित हैं। निजी क्षेत्र में अधिकृत अस्पताल में भर्ती मरीजों की संख्या और मात्रा का अनुपात क्रमश: 57 प्रतिशत और 67 प्रतिशत है, जो इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भागीदारी को दर्शाता है। लाभार्थी के पास राज्य के दिशा-निर्देशों के अनुसार सूचीबद्ध अस्पताल, सार्वजनिक या निजी, चुनने का विकल्प मौजूद है।

इस योजना ने अनेक राज्यों में सरकारी अस्पतालों में भी सेवा प्रदायगी को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है। इन अस्पतालों ने अपनी सुविधाओं और बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए योजना के तहत प्रतिपूर्ति की गई धनराशि का उपयोग किया है। कवरेज और पहुंच की बढ़ती रफ्तार के साथ पीएमजेएवाई में टियर 2 और 3 शहरों में एक ऐसे बाजार के निर्माण के जरिए निजी अस्पतालों के विकास को बढ़ावा देने की क्षमता मौजूद है, जहां पहले भुगतान क्षमता की कमी के कारण मांग पूरी नहीं हो पाती थी।

हाल ही में एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री द्वारा किए गए अध्ययन (घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2022-23 से इकाई-स्तरीय डेटा पर आधारित) में निष्कर्ष निकाला गया है कि पिछले 10 वर्षों में हमारी आबादी का निचला 50 प्रतिशत हिस्सा चिकित्सा व्यय से संबंधित आघातों के प्रति काफी कम संवेदनशील हो गया है; और यह प्रवृत्ति निकटता से पीएमजेएवाई से संबद्ध है।

आज बहुत से लोग स्वास्थ्य सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं और साथ ही अपनी संपत्ति और बचत का भी संरक्षण कर पा रहे हैं।

आयुष्मान भारत पीएमजेएवाई विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने को तत्पर है। आखिरकार,अच्छा स्वास्थ्य, कल्याण, राष्ट्रीय उत्पादकता और समृद्धि का आधार है।

डॉ. विनोद के पॉल, सदस्य (स्वास्थ्य)
नीति आयोग
आलेख में ट?यक?त विचार निजी हैं

क्रोध की आग विनाशकारी

सुभाष चंद्र शर्मा

क्रोध को अग्नि के समान क्यों कहा गया है, क्योंकि इसमें इंसान खुद तो धधकता ही है, उसका क्रोध आस-पास के लोगों में भी क्रोध की चिनगारी सुलगा देता है। यह सबसे पहले मनुष्य के विवेक को भस्म करता है।

एक बार गौतम बुद्ध अपने शिष्यों के साथ भ्रमण कर रहे थे। चलते-चलते वह एक गांव के बगीचे में पहुंचे। बुद्ध के आने की खबर आसपास के गांवों में भी पहुंच गई। उनके दर्शन और उनकी अमृतवाणी सुनने के लिए लोग बगीचे में उमड़ आए। बुद्ध अपने शिष्यों के साथ मौन बैठे थे। जब काफ़ी देर हो गई, तो शिष्यों को लगा कि तथागत कहीं अस्वस्थ तो नहीं हैं। आखिर एक शिष्य ने उनसे पूछ ही लिया, 'तथागत! आज आप शांत क्यों हैं? आपको सुनने की प्रतीक्षा में हजारों लोग बैठे हैं। क्या हमसे कोई गलती हो गई है?' बुद्ध ने कोई उत्तर नहीं दिया। वह मौन रहे। सच यह था कि हर पल आनंद में स्थित बुद्ध न तो नाराज थे और न ही अस्वस्थ। वह तो सभा में आए हजारों लोगों के चित्त के चित्र को अपने ध्यानस्थ नेत्रों से देख रहे थे कि प्रत्येक दर्शनार्थी के मन में क्या चल रहा है? उसके चित्त की दशा क्या है? बुद्ध अपने तरीके से लोगों की मानसिक उलझनों को दूर करने तथा उनकी समस्याओं का व्यावहारिक समाधान सुझाने के प्रयास करते थे।

इसी बीच पीछे खड़ा एक व्यक्ति जोर से चिल्लाया, मुझे सभा में बैठने की अनुमति क्यों नहीं दी गई है? एक शिष्य बोल उठा कि उस व्यक्ति को सभा में आने की अनुमति प्रदान की जाए। बुद्ध मौन से बाहर आए और बोले- नहीं! उसे सभा में आने की आज्ञा नहीं दी जा सकती। यह सुनकर शिष्यों के साथ वहां बैठे लोगों को बड़ा आश्चर्य हुआ। करुणा और प्रेम की प्रतिमूर्ति महात्मा बुद्ध द्वारा किसी को अनुमति न दिया जाना सबके लिए आश्चर्यजनक था। बुद्ध की निगाह में तो मानव मानव में कोई भेद न था।

बुद्ध ने कहा- 'इस व्यक्ति के भीतर क्रोध की ज्वाला धधक रही है। क्रोध हिंसा का प्रकट रूप है। जिस व्यक्ति में क्रोधाग्नि जल रही है, वह अहिंसक हो ही नहीं सकता। इसलिए ऐसे व्यक्ति को सभा, समूह और समाज से दूर ही रहना चाहिए।' उस व्यक्ति को अपनी गलती का एहसास हो चुका था। वह दौड़ते हुए आया और बुद्ध के चरणों में गिरकर बिलखने लगा। बुद्ध उसके सिर पर प्रेम से हाथ फेरते हुए बोले- वत्स! क्रोध उस दहकते हुए कोयले के समान है, जिसे व्यक्ति दूसरों को जलाने के लिए अपने मन में रखे रहता है और उससे हर पल वह स्वयं ही जलता है, इसलिए इससे बाहर निकलो। अपने अंदर प्रेम, करुणा और सहिष्णुता के जल को भरकर इसे सदा-सदा के लिए बुझा सकते हो। इसके बुझते ही तुमको शांति मिलेगी और तुम्हें अपने अंदर से सुख की प्राप्ति होने लगेगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

किसान तो यही मानेंगे कि भाजपा किसान हितैषी है

सुनील दास

छत्तीसगढ़ की राजनीति में किसान का बड़ा महत्व है। सभी राजनीतिक दल इस बात को समझते हैं,इसलिए जब भी किसी दल को यह दिखाने या बताने का मौका मिलता है कि वही किसान हितैषी है तो वह कोई मौका नहीं चूकता है।कई बार राजनीतिक दल के हाथ करने को कुछ नहीं रहता है लेकिन वह बताना नहीं चूकता है जो किसानों के लिए कुछ कर रहा है वह तो कम है, वह तो कुछ भी नहीं है,किसानों के लिए और ज्यादा करने की जरूरत है। कांग्रेस सत्ता में नहीं है तो यही कर रही है। भाजपा सरकार ने तय किया है कि धान खरीदी 14 नवंबर से की जाएगी। कांग्रेस खुद को कुछ कर नहीं सकती क्योंकि वह सत्ता में नहीं है तो वह किसानों को बताने की कोशिश कर रही है कि साय सरकार 14 नवंबर से धान खरीदना शुरू करने वाली है तो वह गलत कर रही है। वह साय सरकार से मांग कर रही है कि किसानों को हित में तो सरकार को 1 नवबर से धान खरीदी शुरू करना चाहिए। किसानों का ज्यादा धान तब ही खरीदा जा सकेगा। वह छुट्टियों को हिसाब लगाकर बता रही है कि 14 नवंबर से धान खरीदी होने पर 75 दिन धान खरीदी होगी। उसमें 35 दिन छुट्टियों को घटा दिया जाए तो धान खरीदी हकीकत में 40 दिन ही होगी। पूरा हिसाब लगाकर कांग्रेस किसानों को यह बताना चाहती है कि साय सरकार तो किसानों की धान खरीदना ही नहीं चाहती है।

साय सरकार ने साफकर दिया है कि वह धान की ख़रीदी अपने हिसाब से ही करेगी वह कांग्रेस के दवाब में नहीं आने वाली है क्योंकि पांच साल कांग्रेस सरकार भी रही तो उसने भी भाजपा के कहने के अनुसार धान खरीदी थोड़ी न की थी,उसने भी अपनी सुविधा के अनुसार की थी।कई बार कांग्रेस के समय भी मांग होती थी कि धान खरीदी दीपावली के पहले से होनी चाहिए ताकि किसान दीपावली के पहले धान बेचकर दीपावली का तिहार अच्छे से मना सके लेकिन सरकार ने हमेशा ऐसा नहीं किया है। एक बार तो सरकार ने नवंबर की जगह दिसंबर से धान खरीदी शुरू की थी और उसे किसानों के हित में बताया था। इसी के साथ कांग्रेस यह भी मांग कर रही है कि केंद्र सरकार ने धान का समर्थन मूल्य 117 रुपए बढ़ाया है तो साय सरकार को इस बार धान खरीदी 3100 प्लस 117 यानी 3217 रुपए में करनी चाहिए। अगर कांग्रेस ने अपने समय पांच साल ऐसा किया होता और वह कहती तो लगता कांग्रेस सही कह रही है,कांग्रेस ने अपने समय में चुनाव में धान 2500 रुपए में खरीदने का वादा किया था। और देश भर में जहां भी कांग्रेस नेता जाते थे तो ढिंढारा पीटते थे कि हम छत्तीसगढ़ में किसानों का धान का सबसे ज्यादा पैसा दे रहे हैं। हर साल केंद्र सरकार धान की एमएसपी बढ़ाती तो कांग्रेस सरकार केंद्र सरकार के बढ़ाए एमएसपी को जोड़कर किसानों को नहीं देती थी यानी उसने वादा किया था कि धान 2500 में खरीदेगी तो वह 2500 ही किसानों को देगी क्योंकि देश के किसी राज्य में कोई सरकार किसानों को इतना पैसा नहीं देती है।

कांग्रेस कम के कम तीन चार साल किसानों को धान का पैसा 2500 ही दिया। चौथे या पांचवें साल जरूर उसने चुनाव के कारण केंद्र सरकार ने धान की एमएसपी एक सौ रुपए कुछ बढ़ाए तो कांग्रेस सरकार ने उस साल किसानों का धान 2600 से कुछ ज्यादा में खरीदा था और वादा किया था उनकी सरकार बनी तो वह अगले सत्र में किसानों का धान 2800 रुपए में खरीदेगी। कांग्रेस की किसान हितैषी सरकार को किसानों ने दोबारा मौका नहीं दिया क्योंकि भाजपा ने उनसे वादा किया कि भाजपा की सरकार आएगी तो किसानों का धान हर साल 3100 रुपए में खरीदा जाएगा। भाजपा चुनाव में किया अपना वादा निभा रही है।इस बार उसने धान खरीदी का लक्ष्य भी पहले से ज्यादा तय किया है और पहले से ज्यादा किसानों से धान खरीदने की कोशिश भी की जाएगी। इसीलिए 14नवंबर से धान खरीदने का फैसला किया गया है। कांग्रेस जानती है कि साय सरकार इस बार उसके समय से ज्यादा पैसों में किसानों का धान खरीदेगी, ज्यादा किसानों का धान खरीदेगी। पहले से ज्यादा किसानों का धान खरीदेगी इससे तो किसान भाजपा से प्रभावित होंगे। किसान राजनीति में भाजपा तो कांग्रेस पर हावी रहेगी कि कांग्रेस से ज्यादा किसान हितैषी तो भाजपा है। सीधी सी बात है जो ज्यादा पैसे में धान खरीद रहा, ज्यादा किसानों का धान खरीद रहा है, पहले से ज्यादा धान खरीद रहा है तो वही किसान हितैषी होगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

विमानों और पायलटों पर जाँच कड़ी ही नहीं औचक भी होनी चाहिए

रजनीश कपूर

मामला देश की एक नई निजी एयरलाइन का है। इसके पास मात्र 25 हवाई जहाज़ हैं। हाल ही में उनमें से 14 हवाई जहाज़ों में रडर कंट्रोल सिस्टम' (पतवार नियंत्रण सिस्टम) को लेकर नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधीन डीजीसीए द्वारा नोटिस दिया गया। ग़ौरतलब है कि रडर कंट्रोल सिस्टम' विमान को इंजन फेल होने की स्थिति में उसके निर्धारित मार्ग में चलने में सहायता करता है। इसके अलावा विमान के टेक-ऑफ और लैंडिंग के समय भी विमान को सही दिशा में रखने में सहायक होता है।

आज की व्यस्त जिंदगी में हम सभी समय को काफ़ी महत्व देते हैं। कहीं भी यात्रा करनी हो तो हम कोशिश करते हैं कि यात्रा जल्द से जल्द पूरी हो। ऐसे में जो भी लोग हवाई यात्रा का वहन कर सकते हैं वे फ्लाइट से यात्रा करना ही पसंद करते हैं। इसी तरह जो भी व्यक्ति हवाई यात्रा में भी विशिष्ट सेवा लेना चाहते हैं वे निजी चार्टर कंपनियों की सेवा लेते हैं और अपनी सुविधानुसार यात्रा करना पसंद करते हैं। बीते कुछ दशकों में हमारे देश में हवाई यात्रा के आँकड़े काफी तेजी से बढ़े हैं। इसके लिए निजी कंपनियों का नागरिक उड्डयन क्षेत्र में आना एक अहम कारण माना जाता है।

अधिक से अधिक निजी एयरलाइन के आने से हवाई यात्रियों को अपनी सुविधानुसार यात्रा करने का विकल्प भी मिला है। परंतु जिस तरह निजी क्षेत्र के यह ऑपरेटर प्राय~ मुनाफ़ा कमाने की मंशा से यात्रियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर जाते हैं वह चिंताजनक है। आए दिन हमें इस बात की खबरें मिलती हैं कि पुराने इंजन या पुर्ज़ों के चलते कई निजी कंपनियों के विमानों को ग्राउंड' होना पड़ा। कल्पना कीजिए कि यदि किसी विमान में ख़राब इंजन या अयोग्य पाइलट की वजह से कोई हादसा हो जाए तो दोष किसका होगा, विमान कंपनी का या नागरिक उड्डयन मंत्रालय का, या दोनों का

ताज़ा उदाहरण देश की एक नई निजी एयरलाइन का है जिसके पास मात्र 25 हवाई जहाज़ ही हैं। हाल ही में उनमें से 14 हवाई जहाज़ों में रडर कंट्रोल सिस्टम' (पतवार नियंत्रण सिस्टम) को लेकर नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधीन डीजीसीए द्वारा नोटिस दिया गया। ग़ौरतलब है कि रडर कंट्रोल सिस्टम' विमान को इंजन फेल होने की स्थिति में उसके निर्धारित मार्ग में चलने में सहायता करता है। इसके अलावा विमान के टेक-ऑफ और लैंडिंग के समय भी विमान को सही दिशा में रखने में सहायक होता है।

रडर कंट्रोल सिस्टम' का इस्तेमाल इलेक्ट्रॉनिक व मैन्युअल दोनों तरीक़ों से किया जा सकता है। अधिकतर परिस्थितियों में रडर कंट्रोल सिस्टम' का इस्तेमाल मिड-एयर या यात्रा के दौरान नहीं किया जाता। मिसाल के तौर पर यदि आप सड़क पर अपनी गाड़ी को 100 की स्पीड से चला रहे हैं और ऐसे में यदि आप अपनी गाड़ी का स्टीयरिंग ज़रा सा भी दाँय या बाएँ करेंगे तो कितनी गंभीर दुर्घटना हो सकती है आप इसका अनुमान लगा सकते हैं। ऐसे में यदि रडर कंट्रोल सिस्टम' जाम हो जाए या सही रख-रखाव न होने के कारण उसमें कोई तकनीकी दिक़्क़त आ जाए तो विमान दुर्घटना ग्रस्त भी हो सकता है।

यदि किसी भी एयरलाइन में, फिर वो चाहे शेड्यूल एयरलाइन हो या नॉन-शेड्यूल एयरलाइन, अनुभवी पायलट न हों तो वो इस आपात स्थिति से निपट नहीं पाएगा। यहाँ पर सवाल उठता है कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय व डीजीसीए चुनिंदा निजी विमान कंपनियों व कुछ निजी चार्टर कंपनियों के प्रति इतनी उदार क्यों होती हैं कि उनके विमान व पायलटों की कड़ी जाँच नहीं करती

जाँच केवल कड़ी ही नहीं औचक भी होनी चाहिए जिससे कि हर विमान कंपनी चलाने वाले के दिल में इस बात का डर बैठा रहे कि मुनाफ़े के लालच में और भ्रष्टाचार के चलते वह यात्रियों की सुरक्षा से खिलवाड़ न कर सके। वहीं डीजीसीए में ऐसे तकनीकी विशेषज्ञ अवश्य हों जो ख़ानापूर्ति की नीयत से नहीं बल्कि सुरक्षा की दृष्टि से ही विमानों और पायलटों की नियम अनुसार जाँच करें। सरकारी तंत्र का हिस्सा बनकर ख़ानापूर्ति करने वाले भ्रष्ट अधिकारियों की भी जाँच मंत्रालय के सतर्कता विभाग से की जानी चाहिए।

हाल ही में फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने एक सुरक्षा चेतावनी जारी की, जिसमें कोलिन्स एयरोस्पेस एसवीओ-730 रडर रोलआउट गाइडेंस एक्चुएटर्स (आरआरजीए) से लैस कुछ बोइंग 737 विमानों में प्रतिबंधित या जाम रडर कंट्रोल सिस्टम' की संभावना के बारे में ऑपरेटरों को चेतावनी दी गई। इस चेतावनी में आगे कहा गया कि नमी जमा होने से, रडर कंट्रोल सिस्टम' उड़ान के दौरान जाम हो सकता है। इतना ही नहीं लैंडिंग के दौरान भी रडर कंट्रोल सिस्टम' जाम हो सकता है।

फ्लाइट क्रू को सलाह दी जाती है कि वे प्रतिबंधित रडर कंट्रोल सिस्टम' स्थितियों से निपटने के लिए बोइंग की प्रक्रियाओं का पालन करें और ऑटोपायलट सिस्टम का उपयोग करके जांच करें। सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने के लिए एयरलाइंस को अलर्ट और प्रासंगिक बोइंग मार्गदर्शन से परिचित होना चाहिए। बोइंग ने अगस्त में रडर कंट्रोल सिस्टम' की समस्या से प्रभावित बोइंग 737 ऑपरेटरों को पहले ही सूचित कर दिया था। अब एफएए ने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा स्वचालित जांच लैंडिंग से पहले रडर कंट्रोल सिस्टम' की सीमाओं का पता लगा सकती है।

ग़ौरतलब है कि अमरीका की फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन कि यह चेतावनी दुनिया भर की एयरलाइन को गई है कि वह इस तकनीकी ख़राबी की गहन जाँच करें। हालाँकि भारत की इस निजी एयरलाइन ने यह स्पष्टीकरण दिया है कि इस नोटिस से उसके विमान परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ेगा और वह कमी दूर करने का प्रयास करेगी। परंतु एविएशन विशेषज्ञों के मुताबिक़, भारत में एक ही कंपनी के 25 में से 14 विमानों में ऐसा पाया जाना एक गंभीर समस्या है। लेकिन यहाँ सवाल उठता है कि क्या इस नई कंपनी द्वारा कम समय में अधिक मुनाफ़ा कमाने के चलते ऐसा हुआ

क्या इस कंपनी के पास तकनीकी विशेषज्ञों की कमी है क्या भारत सरकार के डीजीसीए कुछ चुनिंदा अधिकारियों द्वारा इस त्रुटि का जानबूझकर अनदेखा किया गया जो भी कारण हो इसकी जाँच अवश्य होनी चाहिए क्योंकि निजी एयरलाइन हो या निजी चार्टर कंपनी किसी को भी यात्रियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने का कोई हक़ नहीं है। देखना यह है कि आनेवाले समय में नागरिक उड्डयन मंत्रालय या डीजीसीए इन कमियों की कैसे जाँच करती है और ऐसी ग़लतियों पर इन एयरलाइन कंपनियों को क्या सज़ा देती है

(ये लेखक के विचार हैं)

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

• TDS रिफंड •GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट •MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE •फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544

D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

समय से पहले धान खरीदी केंद्र में किसानों का पंजीयन कराना सुनिश्चित करे - ललित चंद्राकर

दुर्ग। ग्रामीण एवं राज्य ग्रामीण अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर ने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक सीईओ धान खरीदी केंद्र के समिति प्रबंधक राजस्व विभाग के अधिकारी कर्मचारियों को फोन व पत्राचार के माध्यम से निर्देश दिया और कहा कि 14 नवंबर से पूरे प्रदेश में धान खरीदी प्रारंभ हो रहा है इसके मद्देनजर किसानों को धान बेचने में किसी प्रकार की दिक्कत ना हो उसको देखते हुए जिन किसानों का पंजीयन अभी तक नहीं हुआ है उसको तत्काल पंजीयन कराए और जिन किसानों का राजस्व संबंधित प्रकरण लंबित है जिनका ऋण पुस्तिका नहीं बना हुआ है उसे तत्काल प्रभाव में लेते हुए उस समस्या को हल करें और पंजीयन कराए। समय से पहले किसानों का धान खरीदी केंद्र में पंजीयन कराना सुनिश्चित करे जिससे किसान अपना धान समिति के माध्यम से बेच सके एवं धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण कर समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि इस कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

राज्य स्तरीय जूनियर रेडक्रास प्रशिक्षण सह सद्भावना शिविर प्रारंभ

भिलाई। इंडियन रेडक्रास सोसयटी छत्तीसगढ़ राज्य शाखा रायपुर के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय जूनियर रेडक्रास प्रशिक्षण सह सद्भावना शिविर का आयोजन दिनांक 18 अक्टूबर से 22 अक्टूबर तक किया जा रहा है। जम्बुरी कार्यक्रम के नोडल अधिकारी आयुक्त नगर निगम भिलाई बजरंग दुबे द्वारा शिविर स्थल भारती विश्वविद्यालय पुलगांव दुर्ग शहर में व्यवस्थाओ को संपादित करवाया जा रहा है। इस बात का ध्यान रखा जा रहा है कि जम्बुरी में सभी आवश्यकताओ की प्रतिपूर्ति समय अनुसार की जा सके। भिलाई नगर निगम द्वारा प्रमुख रूप से जम्बुरी स्थल स्थल पर पीने के पानी, जम्बुरी स्थल, एरिना, स्नान गृह महिला एवं पुरूष के लिए प्रतिदिन 2 टेंकर पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। शौचालय की साफ-सफाई व्यवस्था हेतु 10 से 12 महिला सफाई कर्मीयों को सुबह 6:00 बजे से 2:00 बजे तक डयूटी लगाई गई है। जिसका मॉनिटरिंग निगम के स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली द्वारा की जा रही है। निकायों को जम्बुरी को सफलता पूर्वक आयोजन करने हेतु विभिन्न दायित्वों को दिया गया है। जिनके द्वारा कार्यो को संपादित किया जा रहा है।

अग्निवीर निःशुल्क आवासीय शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। जिला प्रशासन द्वारा अग्निवीर निःशुल्क आवासीय शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण हेतु माह नवम्बर 2024 में आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन किया जाएगा। जो आवेदक माह अप्रैल 2024 में थल सेना भर्ती कार्यालय रायपुर द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा में सफल हुए है, उन आवेदकों को यह प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिन आवेदकों ने 17 अक्टूबर 2024 तक आवेदन किया है किन्तु शारीरिक मापदण्ड के परीक्षण हेतु जिला रोजगार कार्यालय दुर्ग में उपस्थित नहीं हो पाये है एवं जिन आवेदकों ने किसी कारणवश उक्त तिथि तक आवेदन नहीं किया है वे भी 25 अक्टूबर शुक्रवार प्रातः 11 बजे शारीरिक मापदण्ड के परीक्षण हेतु जिला रोजगार कार्यालय दुर्ग में उपस्थित हो सकते हैं। आवेदक अपने साथ सेना भर्ती कार्यालय द्वारा जारी प्रवेश पत्र की छायाप्रति एवं आवेदन पत्र के साथ जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग में उपिस्थत होना आवश्यक है।

साइकिलिंग में छाए बीएसपी क्लब के खिलाड़ी

10 स्वर्ण सहित 23 पदक जीतकर बने चैंपियन, नेशनल के लिए किया क्वालीफाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। राजधानी रायपुर में हुई 24वीं शालेय राज्य स्तरीय रोड साइकिलिंग चैंपियनशिप 2024 25 में भिलाई इस्पात संयंत्र साइकलिंग क्लब के खिलाड़ियों ने शानदार सफलता हासिल की है। इस प्रतियोगिता में भिलाई इस्पात संयंत्र साइकलिंग क्लब के खिलाड़ियों ने दुर्ग संभाग का प्रतिनिधित्व करते हुए 14 वर्ष 17 वर्ष तथा 19 वर्ष आयु समूह के बालक बालिकाओं के सभी इवेंट में इंडिविजुअल टाइम ट्रायल तथा मास स्टार्ट में कुल 10 गोल्ड 10 सिल्वर तथा 3 कांस्य पदक प्राप्त कर चैंपियन बने। इस प्रतियोगिता में दुर्ग संभाग (बीएसपी साइकलिंग क्लब) के खिलाड़ियों ने प्रत्येक वर्ग में मेडल अपने नाम कर के भिलाई इस्पात संयंत्र तथा इस्पात नगरी को गौरवान्वित किया।

छत्तीसगढ़ साइकलिंग संघ के महासचिव विनायक चन्नावार तथा प्रमोद सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि दिनांक 6 से 9 अक्टूबर तक संचालनालय लोक शिक्षण द्वारा 24वीं शालेय राज्य स्तरीय रोड साइकिलिंग चैंपियनशिप 2024 25 का आयोजन रायपुर में किया गया, जिसमें भिलाई इस्पात संयंत्र साइकलिंग क्लब के 24 खिलाड़ियों ने इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बढ़-चढ़ कर भाग लेकर दुर्ग संभाग का प्रतिनिधित्व किया। राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भाग लेने वाले छत्तीसगढ़ दल के लिए 24 सदस्यीय दल में भिलाई के 20 साइकिलिस्ट ने क्वालीफाई किया जो कि बिहार में दिसंबर के द्वितीय सप्ताह में होने वाली राष्ट्रीय शालेय रोड साइकिलिंग चैंपियनशिप में भाग लेंगे। इसके अतिरिक्त भिलाई इस्पात नगरी के अन्य 21 ट्रैक साइकिलिस्ट का चयन झारखंड में दिसंबर के तृतीय सप्ताह में होने वाली राष्ट्रीय शालेय ट्रैक साइकिलिंग चैंपियनशिप हेतु हुआ है।

खिलाड़ियों ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने लोकसभा क्षेत्र के सांसद माननीय विजय बघेल जी को दिया जिन्होंने हमें समय समय पर प्रोत्साहित कर समय समय पर खिलाड़ियों को हर संभव सहायता करते हैं। वे स्वयं भी कबड्डी के राष्ट्रीय खिलाड़ी रहे हैं अत: खिलाड़ियों की भावनाओं से भली भांति परिचित है। इंडिविजुअल टाइम ट्रायल तथा मास स्टार्ट में लगातार एक के बाद एक पदक हासिल करते हुए 10 स्वर्ण पदक 10 सिल्वर तथा 3 ब्रांज पदक जीते।

रजनी बघेल (धर्मपत्नी सांसद लोकसभा क्षेत्र), डॉ हिमांशु द्विवेदी(अध्यक्ष छत्तीसगढ़ साइकलिंग संघ) छत्तीसगढ़ साइकिल पोलो संघ के अध्यक्ष डॉ रमेश श्रीवास्तव , उपाध्यक्ष प्रमोद सिंह सुधीर बंसल, नरेंद्र बंछोर (चेयरमैन सैफी) परविंदर सिंह, (महासचिव)ऑफिसर्स यूनियन भिलाई इस्पात संयंत्र। विनायक चन्नावार (महासचिव छत्तीसगढ़ साइकलिंग संघ), वंदना पांडे (प्राचार्य उच्चतर माध्यमिक शाला स्टेशन मरोदा) प्रतीक मनोध्या (एन.आई.एस.कोच जबलपुर) देवप्रकाश वर्मा, विशेष तिवारी (एनआईएस कोच), कल्पना स्वामी सहायक संचालक क्रीड़ा दुर्ग संभाग, सुधीर बंसल, तोशेंद्र वर्मा, नितिन सूपे, रजनीकांत अग्रवाल, रवि सोनी, ईवी सुनील सभी ने साइकलिंग पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाइयां दी तथा उनका सम्मान किया।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करने वाले खिलाड़ी

शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला स्टेशन मरोदा भिलाई से सनी चौधरी, राहुल निर्मलकर, पंकज सिन्हा, भावेश साहू, कुमारी भाग्यलक्ष्मी, कुमारी इशिता सिन्हा व रागिनी निर्मलकर। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला स्टेशन मरोदा भिलाई से सौरभ सिन्हा, कुमारी अंशिका मेहता, कुमारी लावण्या, वेदिका साहू व पलक जायसवाल। सेजस रिसाली से शुभम यादव और कुमारी पूनम देवी शामिल है। इसके अलावा कुमारी लीना साहू, कुमारी चंचल कश्यप, कुमारी सुमन साहू सभी शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला टंकी मरोदा भिलाई से, पियूष साहू शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला उमरपोटी तथा विहान गुप्ता दिल्ली पब्लिक स्कूल रिसाली तथा दिव्यांशु साहू सेजस उतई से शामिल है।

ईएमएसएस स्कूल में सतर्कता जागरूकता पर वाद-विवाद प्रतियोगिता

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सतर्कता विभाग द्वारा 'सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि विषय पर 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024' का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत सप्ताह भर चलने वाले विभिन्न आयोजनों और प्रतियोगिता की कड़ी में दिनांक 18 अक्टूबर, 2024 को सतर्कता विभाग द्वारा षिक्षा विभाग के सहयोग से कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्रों के लिए इंग्लिश मीडियम सीनियर सेकेंडरी (ईएमएसएस) स्कूल, सेक्टर-7, भिलाई में एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय 'राष्ट्र की समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा की संस्कृति अतिआवष्यक है। प्रतियोगिता में भिलाई और आसपास के विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया।

उपमहाप्रबंधक दीप्ती राज ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का आरंभ किया और प्रतियोगिता के नियमों के बारे में जानकारी दी। बीएसपी के उप महाप्रबंधक अंषुमन सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों, शिक्षकों एवं सम्मानित अतिथियों को सत्यनिष्ठा शपथ दिलायी।

प्रतियोगिता अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में आयोजित की गई थी। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने अपने नवीन विचारधाराओं को व्यक्त किया। कुछ छात्रों ने प्रस्ताव के पक्ष में बात की तो कुछ ने प्रस्ताव के विपक्ष में विचार प्रस्तुत किए। छात्रों द्वारा इस प्रतियोगिता में प्रस्ताव के पक्ष और विपक्ष में कई विचारोत्तेजक और न्यायोचित तर्क प्रस्तुत किए गए। प्रतियोगिता के निर्णायक की भूमिका में बीएसपी के महाप्रबंधक सुष्मिता डे और उप महाप्रबंधक विक्रांत शरण थे। निर्णायकों ने प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की और विजेताओं को अपनी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर बीएसपी के शिक्षा विभाग के वरिष्ठ शिक्षक तथा प्रतिभागी विद्यालयों के शिक्षकगणों सहित बड़ी संख्या छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन इंग्लिश मीडियम सीनियर सेकेंडरी (ईएमएसएस) स्कूल, सेक्टर-7 की व्याख्याता श्रीमती उमा पाण्डेय ने किया तथा उप महाप्रबंधक (सतर्कता) श्री अंषुमन सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 के समापन समारोह के दौरान पुरस्कृत किया जाएगा।

भ्रष्टाचार के दुष्परिणामों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया जाता है। सतर्कता जागरूकता सप्ताह प्रतिवर्ष अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में मनाया जाता है और नवंबर के पहले सप्ताह तक जारी रहता है, इस दौरान सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई जाती है।

चौक-चौराहों सहित डिवाइडर के दोनों तरफ जमी धूल की सफाई में जुटे निगम कर्मी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर निरन्तर शहर क्षेत्र में विभिन्न वार्डों के अलावा पटेल चौक, मालवीय चौक,स्टेशन रोड,पुलगांव चौक सहित शहर के अन्य मार्गों की साफ-सफाई कर कचरे का उठाव किया गया। शहर के मुख्य मार्गो में डिवाइडर के दोनों तरफ जमी धूल की मोटी परत को भी साफ किया गया। सफाई नहीं होने से जगह-जगह कूड़े का ढेर लगा हुआ था।

मुख्य मार्ग पर सुबह झाड़ू लगने के बाद दिनभर बड़ी गाड़ियों का आने जाने से उठने वाली धूल लोगों के लिए नुकसानदायक था इसलिए लगातार डिवाइडर के दोनो ओर सफाई किया जा रहा है। आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने बताया कि वार्डों के अलावा सार्वजनिक सडकों, निकासी नालियों एवं मुख्य मार्गों के डिवाइडर किनारे मिट्टी की सफाई कराकर शहर को साफ एवं स्वच्छ रखने प्रयास किया जा रहा है।

स्थल निरीक्षण के दौरान आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा, कर्मशाला अधीक्षक शॉएब अहमद,एमयूएल कुणाल, राहुल सहित अमले के साथ सफाई व्यवस्था देखी, उन्होंने कहा कि शहर की सफाई कार्य में गुणवत्ता लाने प्रयास कर रहे हैं।आम लोगों से सहयोग करने की अपील करते हुए कहा है कि दुकानों से निकलने वाले कूड़ा को नालियों और सड़कों पर न फेंकें, हमेशा डस्टबिन में डालें सड़क में कचरा फेंके जाने पर जुर्माना की कार्रवाही की जाएगी।

आया त्योहार चलो बाजार : चेंबर की टीम लगातार कर रही जागरुक, स्कूली बच्चों के बीच पहुंची टीम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की भिलाई इकाई द्वारा आया त्योहार चलो बाजार अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत भिलाई चेंबर की टीम घर-घर यह संदेश फैला रही है कि त्योहारों में स्थानीय दुकानदारों के पास से खरीदारी करें। इसी कड़ी में भिलाई चेम्बर के पदाधिकारी स्कूल के जाकर छात्र छात्राओं को संदेश दे रहे है कि ऑनलाइन खरीदी से तौबा करें इस बार त्योहारों की खरीदी लोकल बाजारों से करें।

प्रदेश महामंत्री अजय भसीन स्वयं इस अभियान में सबसे ज्यादा सक्रिय है। उन्होंने बताया कि विभिन्न स्कूलों में जाकर बाजारों की रौनक बढ़े और शहर के व्यापारियों की आर्थिक व्यवस्था मजबूत हो ऐसा ही एक संदेश युवा पीढ़ी को दे रहे है। पत्रक के माध्यम से यह भी संदेश दिया जा रहा है कि लोकल बाजारों से खरीदी करते है तो आप समान छू कर महसुस कर संतुष्टि प्राप्त कर सकते है। लोकल बाजारों से खरीदी का फायदा यह भी है कि व्यापारियों से आपके रिश्ते मजबूत होते है जबकि ऑनलाइन खरीदी से आप रिश्ते नही बना पाते।ऑनलाइन खरीदी से कभी कभी धोखे का शिकार भी होना पड़ सकता है।

इस अभियान को अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है स्कूल में छात्र छात्राओं के साथ साथ शिक्षक व शिक्षिकाएं भी इस अभियान में पूर्ण समर्थन देकर संकल्प ले रहे है कि इस बार त्योहारों की खरीदी लोकल बाजारों से करेंगे। स्कूल के अलावा कोचिंग सेंटर में जाकर भी विद्यार्थीयो को इस अभियान से जोड़ा जा रहा है।गार्डन में विभिन्न भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाकर लोगो को जागरूक किया जा रहा है। भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्रा ने भी भिलाई दुर्ग की जनता से आग्रह किया है कि इस बार त्योहारों की खरीदी लोकल बाजारों से करे क्योकि खुशियां मिलती है बाजारों में। इस अभियान में मुख्य रूप से शंकर सचदेव,सुनील मिश्रा, सुमन कनोजे, चिन्ना राव, अजय निदान, कुलदीप सिंह, विकास सिंह सक्रिय है। यह जानकारी शंकर सचदेव ने दी।

पटाखा दुकानों के लिए एडवाइजरी जारी

नियमों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले में संचालित समस्त स्थायी/अस्थायी पटाखा दुकानों में आग लगने से बचाव हेतु नगर सेना, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं तथा एसडीएआरएफ , मुख्यालय छत्तीसगढ़ सेक्टर 19 अटल नगर नवा रायपुर से एडवाइजरी जारी किया गया है। जांच के दौरान उक्त नियमों का पालन नहीं करने पर छत्तीसगढ़ अग्निशमन एवं आपातकालीन नियमावली 2021 के तहत कार्यवाही की जाएगी।

जिला सेनानी एवं जिला अग्निशमन अधिकारी नागेन्द्र कुमार सिंह से प्राप्त जानकारी अनुसार पटाखा दुकान किसी भी ज्वलनशील पदार्थ जैसे कपड़ा, बांस रस्सी, टेंट इत्यादि का न होकर, अज्वलनशील सामग्री से बने टिन शेड द्वारा निर्मित होना चाहिए। पटाखा दुकान एक दूसरे से कम से कम तीन मीटर की दूरी (साइड) पर एवं एक दूसरे के सामने न बनायी जाए। पटाखा दुकानों में प्रकाश व्यवस्था हेतु किसी भी प्रकार के तेल का लैंप, गैस लैम्प एवं खुली बिजली बत्ती का प्रयोग प्रतिबंधित होना चाहिए।

किसी भी पटाखा दुकान से 50 मीटर के अंदर आतिशबाजी प्रदर्शन प्रतिबंधित होनी चाहिए। विद्युत तारों में ज्वाइंट खुला नहीं होना चाहिए एवं प्रत्येक मास्टर स्विच में फ्युज या सर्किट ब्रेकर लगा होना चाहिए, जिससे शार्ट सर्किट की स्थिति में विद्युत प्रवाह स्वत: बंद हो जाए। दुकाने ट्रांसफार्मर के पास न हो और उनके ऊपर से हाई टेंशन पावर लाइन न गुजरती हो। प्रत्येक पटाखा दुकान में 5 कि.ग्रा. क्षमता का डीसीपी अग्नि नामक यंत्र होना चाहिए इसकी मारक क्षमता 6 फीट की होती है।

सावधानियां

क्या करें- लायसेंस प्राप्त विक्रेताओं से ही पटाखे खरीदें, यह सुनिश्चित करें कि गुणवत्ता वाले पटाखे खरीदे, जो दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करने के लिए अनुमोदित हो। इमारतों, वाहनों और ज्वलनशील पदार्थों से दूर पार्क, बड़े मैदान जैसे खुले स्थानों में पटाखे जलाए। पटाखे जलाते समय संभावित आपातकालीन स्थिति के लिए पानी की बाल्टी निकट रखें। आग से संबंधित चोटों के जोखिम को कम करने के लिए सूती वस्त्र पहनने को प्राथमिकता दें, क्योंकि सिंथेटिक कपड़े आसानी से आग पकड़ सकते हैं। पटाखे जलाते समय बच्चों की निगरानी के लिए हमेशा एक व्यस्क को साथ रखें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे सुरक्षा उपायों का पालन कर रहे हैं। पटाखे पकड़ने के बाद इस्तेमाल किए गए पटाखों का पानी की बाल्टी में सुरक्षित तरीके से निपटान करें, ताकि किसी बची हुई चिंगारी से अग्नि दुर्घटना ना हो।

क्या न करें

घर के अंदर खिड़कियों के पास या अन्य बंद स्थानों पर कभी पटाखे ना जलाएं। पटाखे जलाते समय ढीले या लटकने वाले वस्त्र पहनने से बचें क्योंकि वे आसानी से आग पकड़ सकते है। ज्वलनशील पदार्थों के पास पटाखों का उपयोग न करें, पटाखों को सूखी पत्तियों, गैस सिलेण्डर या वाहनों जैसी वस्तुओं से दूर रखें। यदि कोई पटाखा जलने में विफल रहता है तो उसे पुनः जलाने का प्रयास ना करें, अपितु कुछ देर प्रतीक्षा करने के उपरांत उसका सुरक्षित रूप से निपटान करें। यह सुनिश्चित करें कि पटाखे ऐसे स्थानों में न जलाए जाएं जो आग लगने की स्थिति में आपातकालीन निकास मार्ग को अवरूद्ध कर सकते हैं। तेल के दियों या मोमबत्तियों को जलते हुए उपेक्षित न छोड़े, विशेष रूप से पर्दों या ज्वलनशील पदार्थों के पास। किसी भी तरह की चोट लगने या जलने पर तुरन्त चिकित्सक की सलाह लें तथा उचित मार्गदर्शन के बिना घरेलू उपचार न करें।

खास खबर...

प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा प्रोत्साहन योजना के छात्रवृत्ति आवेदन 31 अक्टूबर तक आमंत्रित

रायपुर। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा प्रोत्साहन योजना के तहत केन्द्रीय क्षेत्रीय छात्रवृत्ति योजना के लिए सत्र 2024-25 के आवेदन शुरू कर दिया गया हैं। इस योजना के तहत कॉलेज और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय ई-छात्रवृत्ति पोर्टल https://scholarships.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। वर्ष 2019 से 2023 तक के विद्यार्थियों के नवीनीकरण के साथ-साथ वर्ष 2024 के लिए नवीन आवेदन 31 अक्टूबर 2024 तक स्वीकर किए जाएंगे। छात्रवृत्ति और आवेदन प्रक्रिया से संबंधित सभी जानकारी मंडल की वेबसाइट www.cgbse.nic.in पर उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए एनएसपी की हेल्पलाइन नंबर 0120-6619540 पर संपर्क कर सकते हैं।

नवीनीकरण आवेदकों हेतु संशोधित दिशा-निर्देश जारी किया गया है, जारी निर्देश के अनुसार जो छात्र पिछली बार आवेदन नहीं कर पाए थे, उन्हें अब नवीनीकरण के लिए आवेदन करने की अनुमति दी जाएगी, यदि वे पात्रता की शर्तें पूरी करते हैं। उनकी ओटीआर आईडी एनआईसी-एनएसपी द्वारा पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजी जाएगी, और सत्यापन के बाद वे सत्र 2024-25 के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त कर सकेंगे। शिक्षा मंत्रालय ने सभी शैक्षणिक संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे अपने विद्यार्थियों का समय-सीमा पर आवेदन पूर्ण कराए।

ओपन स्कूल परीक्षा की तारीख आगे बढ़ी, इस दिन होगी परीक्षा शुरू जाने

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में होने वाले उप चुनाव के कारण ओपन स्कूल ने तीसरी मुख्य परीक्षा की तारीखें बदल दी हैं। 10 वीं और 12 वीं की परिक्षाएं 11 नवंबर से नहीं बल्कि 14 नवंबर से शुरू होंगी। पहले 12 वीं की परीक्षा 11 नवंबर को और दसवीं की परीक्षा 13 नवंबर से होने वाली थी। रायपुर दक्षिण उप चुनाव के लिए 13 नवंबर को मतदान होगा। इसके दूसरे दिन से परीक्षाएं शुरू होंगी। ओपन स्कूल परीक्षा की तिथि पहले ही घोषित हो गई थी जबकि, उप चुनाव की तिथि बाद में घोषित हुई। 11 नवंबर से परीक्षाएं प्रारंभ होने वाली थी।

ओपन स्कूल के लिए अवसर परीक्षा नवंबर में आयोजित की जाएगी। इससे पहले 2014 में ओपन स्कूल की परीक्षा साल में तीन बार हुई थी, लेकिन तब दो परीक्षा अवसर के रूप में थी। यानी इस परीक्षा में केवल वही छात्र शामिल हुए थे जो फेल हुए थे। पहली बार साल में ओपन स्कूल की तीनों परीक्षा मुख्य परीक्षा के रूप में हो रही है। परीक्षा का समय प्रात: 8.30 बजे से 11. 45 बजे तक निर्धारित है। इस दौरान यदि शासन कोई अवकाश या स्थानीय अवकाश घोषित करती है तो भी परीक्षाएं यथावत संचालित होंगी।

आईटीएमएस सिग्नल्स व कैमरों के संचालन के संबंध में बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के प्रबंध संचालक अबिनाश मिश्रा ने एकीकृत यातायात प्रबंधन प्रणाली (आईटीएमएस) के अंतर्गत शहर के चौक-चौराहों पर लगे रोड सिग्नल्स व कैमरों का प्रचालन दुरूस्त रखने अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में नगर निगम के जोन अधिकारी रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड, 24*7 जलापूर्ति, सूचना प्रौद्योगिकी, अमृत मिशन के प्रभारी व एलएंडटी समूह के प्रतिनिधि शामिल थे।

श्री मिश्रा के निर्देश पर कल ही यातायात पुलिस, नगर निगम व स्मार्ट सिटी ने इन कैमरों व सिग्नल्स की संयुक्त टीम बनाकर जांच की थी, जिसके आधार पर बैठक में संबंधितों को सीधे निर्देश दिए गये। बैठक में रायपुर स्मार्ट सिटी के मुख्य परिचालन अधिकारी उज्जवल पोरवाल भी शामिल रहे।

एम.डी. मिश्रा ने कहा कि चौक-चौराहों में लगे सिग्नल व कैमरे निरंतर कार्यशील रहे यह सुनिश्चित करने का दायित्व सभी विभाग आपसी समन्वय से सुनिश्चित करें। बैठक में बताया गया कि आवश्यक निर्माण कार्यों के कारण 8 सिग्नल व 12 कैमरे इस समय बंद हैं, श्री मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि 7 दिवस के भीतर निर्माण संबंधी कार्य पूर्ण कर इन्हें कार्यशील करें। उन्होंने यह भी कहा कि पारस्परिक समन्वय से जिम्मेदारी तय करें एवं संबंधित जोन भी इस प्रणाली की सतत् निगरानी करें। श्री मिश्रा के निर्देश पर अंतर विभागीय टीम हर सप्ताह प्रचालन का निरीक्षण कर संबंधित विभागों से अपनी रिपोर्ट साझा कर रही है।

ज्ञातव्य है कि आईटीएमएस प्रणाली के तहत् शहर में वर्तमान में 470 कैमरे व 50 आईटीएमएस सिग्नल्स कार्यरत है। इन सिग्नल्स का संचालन यातायात पुलिस के निर्देश पर हो रहा है, इनमें से 10 सिग्नल यातायात पुलिस की निगरानी में ब्लिंकर्स मोड पर संचालित हैं।

रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव 2024 तैयारियों को लेकर हुई प्रभारियों की बैठक

विधानसभा क्षेत्र में इस बार 19 की जगह 38 सेक्टर बनाए जाएंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आगामी 13 नवंबर को होने वाले रायपुर दक्षिण विधानसभा उपनिर्वाचन की तैयारियों को लेकर आज सेक्टर प्रभारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में यह निर्णय लिया गया कि विधानसभा क्षेत्र को 38 सेक्टरों में विभाजित किया जाएगा, जबकि पिछले लोकसभा चुनाव में केवल 19 सेक्टर बनाए गए थे। बैठक का आयोजन कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सोसायटी में आयोजित किया गया। इस निर्णय का मुख्य उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की परेशानी को रोकना है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर यह कदम उठाया गया है। बैठक में सभी सेक्टर प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे मतदान केंद्रों का निरीक्षण करें और उनकी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। साथ ही, मतदान के दौरान आने वाले मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इस पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई।

चुनाव के सफल आयोजन के लिए सभी सेक्टर प्रभारियों ने कहा कि वे पूरी तैयारी करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि मतदान प्रक्रिया निर्बाध एवं सुगम हो। इस बैठक के माध्यम से चुनाव की तैयारियों को और अधिक मजबूत किया गया है, ताकि मतदाता बिना किसी परेशानी के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। बैठक में सहायक कलेक्टर श्रीमती अनुपमा आनंद और जिला रोजगार अधिकारी केदार पटेल के अलावा अन्य सेक्टर प्रभारी भी मौजूद थे।

रायपुर दक्षिण विधानसभा उप निर्वाचन के लिए अधिसूचना जारी, 25 अक्टूबर तक लिये जाएँगे नामांकन

जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ गौरव सिंह ने आज विधानसभा के उप निर्वाचन की अधिसूचना जारी कर दी है। इसके साथ ही रायपुर दक्षिण क्षेत्र के विधानसभा सदस्य के निर्वाचन की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। अधिसूचना हिन्दी और अंग्रेजी दो भाषाओं में जारी की गई है और रिटर्निंग ऑफिसर तथा सभी सहायक रिटर्निंग ऑफिसर्स के कार्यालयों के सूचना पटल पर सार्वजनिक भी कर दी गई है। निर्वाचन लड़ने के प्रत्याशियों का नामांकन भी शुरू हो गया है। निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्याशी 25 अक्टूबर तक अपना नामांकन रिटर्निंग ऑफिसर या सहायक रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष जमा करा सकेंगे। प्रत्याशी सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक कलेक्टोरेट के कक्ष क्रमांक 9 में जमा कर सकते है। शासकीय अवकाश के दिनों में नामांकन नहीं लिया जाएगा। प्रत्याशी स्वयं या उसके किसी प्रस्तावक के द्वारा निर्वाचन के लिए नामांकन जमा करा सकते है। नामांकन पत्र प्रारूप भी कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक 1 से ही प्राप्त किए जा सकते है।

रिटर्निंग ऑफिसर कार्यालय से जारी अधिसूचना के अनुसार 25 अक्टूबर तक निर्धारित समय में प्राप्त नामांकन पत्रों की स्क्रूटनिंग 28 अक्टूबर को की जाएगी। अभ्यर्थी स्वयं या अपने किसी प्रस्तावक या लिखित पत्र द्वारा घोषित अपने निर्वाचन अभिकर्ता के माध्यम से लिखित सूचना पर अपना नाम वापस ले सकेंगे। नाम वापसी की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर और समय दोपहर 3 बजे तक निर्धारित किया गया है। अंतिम रूप से निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी की सूची भी इसी दिन जारी होगी। रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के विधानसभा सदस्य के उप निर्वाचन के लिए मतदान बुधवार 13 नवंबर होगा

नामांकन के पहले दिन 8 आवेदन खरीदे गए

रायपुर दक्षिण विधानसभा उप निर्वाचन 2024 के लिए 70 हजार रूपए के 8 नामांकन आवेदन खरीदे गए। नामांकन आवेदन दाखिल करने की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर है। 28 अक्टूबर को नामांकन की सवीक्षा की जाएगी। 30 अक्टूबर को उम्मीदवारी वापस ले सकते है।

आंगनबाड़ी सहायिकाओं के लिए दावा-आपत्ति 27 तक

एकीकृत बाल विकास परियोजना में रिक्त पदों को भरने के लिए दावा करने की अंतिम तिथि 27 नवंबर 2024 निर्धारित की गई है। सभी इच्छुक उम्मीदवारों को निर्देश दिया गया है कि वे अपनी योग्यताओं और आवश्यक दस्तावेजों के साथ समय पर आवेदन प्रस्तुत करें।

आदर्श आचार संहिता: संपत्ति विरूपण की कार्रवाई शुरू, दीवारों से हटाए गए बैनर पोस्टर

रायपुर। रायपुर दक्षिण के उपचुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू हो गया है। जिसके बाद से लगातार विधानसभा के दक्षिण क्षेत्र में संपत्ति के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इस कड़ी में यहां के जिला कलेक्टर ने आदेश जारी किया है। इस पर नगर निवेश विभाग की टीम ने सार्वजनिक स्थलों और शहर में मुख्य मार्गों पर राजनीतिक प्रचार प्रसार करने के संदर्भ में लगभग 2,600 से भी अधिक होर्डिंग्स और पोस्टर हटाने की कार्यवाई की गई है।

आदर्श आचार संहिता लागू होने के साथ ही दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में संबंधित क्षेत्र के इलाकों के चौराहों और सार्वजनिक स्थलों से लगभग 1143 पोस्टर हटाया गया है। साथ ही 827 बैनर हटाने और 79 स्थानों पर वाल पेंटिंग अमला भी सक्रिय रहा है। बतादें कि जिन स्थानों पर पोस्टर बैनर हटाने टीम पहुंची हुई थी इसमें मठपुरैना क्षेत्र, संतोषीनगर चौक, शिव नगर, तेलीबांधा रिंग रोड, लाखे नगर क्षेत्र, पुरानी बस्ती क्षेत्र सहित रिंग रोड में शामिल हैं।

बाहरी गाड़ियों के प्रवेश पर रोकने लगाए बैरिकेट्स

रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव को लेकर कलेक्टोरेट में इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। वहीं दूसरी ओर बाहरी गाड़ियों के प्रवेश पर रोकने के लिए कलेक्टोरेट परिसर में बांस बल्लियों के बैरिकेड्स लगाया गया है। वहीं नामांकन पत्रों की जमा कराने और बिक्री के लिए नामांकन कक्ष में भी इसकी तैयारियां अब पूरी कर ली गई हैं, और 18 नवंबर को चुनाव की अधिसूचना जारी होगी।

इसके साथ ही नामांकन दाखिल की प्रक्रिया और चुनाव के लिए नामांकन पत्रों की बिक्री भी इसी दिन से शुरू हो जाएगी। जिसके बाद अब अभ्यर्थी अपना नामांकन पत्र 25 अक्टूबर तक दाखिल कर सकेंगे। 28 अक्टूबर को स्क्रूटनी व 30 अक्टूबर तक वह अपना नामांकन वापस भी ले सकते हैं।

प्रत्याशी अपने संगठन के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारी के साथ नामांकन पत्रों के वितरण के बाद जुलूस की शक्ल में नामांकन दाखिल करने पहुंचते हैं। जिसे देखते हुए प्रशासन ने नामांकन पत्रों की दाखिला और बिक्री की प्रकिया शुरू होने से पहले ही अब कलेक्टोरेट परिसर में आने वाले बाहरी गाड़ियों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। जिसके चलटे अब प्रत्याशियों को पैदल चलकर नामांकन जमा करने के लिए परिसर के अंदर जाना होगा।

19 वार्डों का निर्वाचक नामावली कार्यक्रम स्थगित

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधानसभा क्रमांक-51 उप निर्वाचन को दृष्टिगत रखते हुए मतदाताओं में किसी प्रकार के भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो, इस कारण से आयोग के सहमति से नगर पालिका रायपुर के विधानसभा दक्षिण-51 के अंतर्गत आने वाले वार्डो क्रंमाक 42 से 47 तथा 56 से 68 तक कुल 19 वार्डो का निर्वाचक नामावली कार्यक्रम को 14 नवम्बर 2024 तक स्थगित किया गया है। 18 नवंबर से 22 नवंबर तक पुन: दावा आपत्ति प्राप्त किया जाकर 6 दिसंबर को निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन होना है।

करमजीत कौर के कहानी संग्रह बीजी का हुआ विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कहानीकार करमजीत कौर का कहानी संग्रह 'बीजी' का विमोचन त्रिलोक महावर संचालक छत्तीसगढ प्रशासन अकादमी की अध्यक्षता एवं डॉ. राजाराम त्रिपाठी संपादक ककसाड़ के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। बस्तर चेंबर ऑफ कामर्स के सभागार में कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि बी.आर.नायडू, आकाशवाणी के उद्घोषक के.परेश, कथाकार उर्मिला आचार्य सम्मिलित हुए।

त्रिलोक महावर जी ने संवेदना के धरातल पर रचे इस कहानी संग्रह को तकनीकी दौर में संवेदनहीन होते समाज के लिये आवश्यक बताया। मुख्य अतिथि डॉ. राजाराम त्रिपाठी ने कहा, भावप्रवण रचनाकार करमजीत की रचनाएं मानवीय संवेदनाओं से ओतप्रोत हैं जो पाठक के दिल को छू लेती हैं, और उन्हें बेहतर मनुष्य बनने को प्रेरित करती है।

आयोजन में नगर के प्रबुद्ध साहित्यकार मदन आचार्य, सुभाष पांडे, योगेन्द्र मोतीवाला, किशोर पारेख, विपिन बिहारी दास, धर्मेन्द्र ठाकुर, सनत जैन, मोहिनी ठाकुर, नरेन्द्र पाढ़ी, अनीता राज, मधु कुशवाहा, कविता बिजौलिया पूर्णिमा सरोज, डॉ.मूर्ति,भरत सहित आयोजन में ललिता यादव वंदना भदौरिया एवं ज्योति चौहान ने विशेष रूप से सहयोग किया । पुस्तक का मुखपृष्ठ बनाने वाली भावना अरोरा का अभिनंदन किया गया। बिंब प्रकाशन की निदेशक रीमा दीवान चड्ढा ने कार्यक्रम का संचालन किया ।कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों को बस्तर की लौहकला के स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। अंत में धन्यवाद करमजीत कौर ने दिया।

बिजनेस को नया आयाम देगा वॉलफोर्ट ओमेगा, लांचिंग आज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में रियल एस्टेट सेक्टर की अग्रणी व विश्वसनीय वॉलफोर्ट समूह जो कि अब तक 30 से भी अधिक आवासीय व कामर्शियल प्रोजेक्ट दे चुके हैं। अब राजधानी के बिजनेस को नया आयाम देने के लिए एक शानदार कनेक्टिवीटि वाले लोकेशन न्यू राजेन्द्रनगर, रिंग रोड नंबर -1 में अपना नया कामर्शियल प्रोजेक्ट 'वॉलफोर्ट ओमेगा' लांच कर रहे हैं, जिसकी मेगा लांचिंग 19-20 अक्टूबर को होगी। पांच माले के इस कामर्शियल हब में आफिस, रिटेल व शाप हैं, इसके लिए बुकिंग प्रारंभ हो चुकी है और इसे शानदार रिस्पांश मिल रहा है। सारे मार्डन एमेनिटीज यहां पर उपलब्ध है। पहला कामर्शियल प्रोजेक्ट होगा जहां पर नेचुरल गार्डन की सुखद अनुभूति मिलेगी। अधिकांश बड़े ब्रांड्स व कार्पोरेट घराने अपनी बुकिंग करा चुके हैं।

वॉलफोर्ट समूह के निदेशक पंकज लाहोटी एवं श्री अर्पित पारख ने बताया कि जैसा कि मालूम है वॉलफोर्ट समूह ने हमेशा कुछ नया देने का प्रयास किया है और इसमें वे सफल भी रहे हैं। मतलब लोगों की जरूरतों को तराशा है चाहे वह आवासीय प्रोजेक्ट हो या कामर्शियल। वॉलफोर्ट समूह के अन्य प्रोजेक्टों की खूबियों से सरोकार रखने वालों के बीच से मांग आ रही थी कि राजधानी रायपुर में एक सर्वसुविधायुक्त कामर्शियल प्रोजेक्ट लाया जाए। 'वॉलफोर्ट ओमेगा' का लोकेशन न्यू राजेन्द्रनगर, कैनाल रोड, रिंग रोड नबंर-1 है, जिसकी कनेक्टिविटी देखें तो हर दृष्टिकोण से बेहतर है। जहां ग्राउंड व फर्स्ट फ्लोर पर शाप्स व शो-रूम होंगे वहीं ऊपर के अन्य फ्लोर आफिस के लिए आरक्षित रहेंगे। विशाल बेसमेंट पार्किंग में दो पहिया व चार पहिया वाहन के लिए अलग-अलग पार्किंग स्पेश रखे गए हैं। लिफ्ट व कामन लाबीस का अपना अलग एरिया है। 'वॉलफोर्ट ओमेगा' की खुबसूरती हर एंगल से देखते ही बनती है। लगभग 90 फीसदी काम पूरो हो चुका हैं, मार्च 2025 तक यह पूरा हो जायेगा। बुकिंग का रिस्पांश कितना शानदार है इसका अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि अब तक पचास फीसदी बुकिंग पूरी हो चुकी है। जिसमें कई बड़े ब्रांड के शो-रूम व शाप्स भी शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि अमूमन किसी माल या कामर्शियल हब में कांसेप्ट नहीं रहता है लेकिन हमने पहली बार 'वॉलफोर्ट ओमेगा' में नेचुरल गार्डन दिया है जो यहां प्रापर्टी लेने वालों को नहीं बल्कि आने-जाने वालों को भी सुखद अनुभूति प्रदान करेगा। एक और बात फ्रंट एलीवेशन को तो सजा संवार दिया जाता है लेकिन बाद के हिस्से को नजर अंदाज कर दिया जाता है लेकिन 'वॉलफोर्ट ओमेगा' में ऐसा नहीं है। अगल-बगल, हर एंगल से आप देखेंगे बहुत ही शानदार इनोवेशन से वह खुबसूरत नजर आयेगा। डिजाइन में वास्तु का भी पूरा ध्यान रखा गया है। इसके आर्किटेक्ट हैं ईस्ट 9 आर्किटेक्ट एंड प्लानर्स प्रा.लि. सिंगापुर व वास्तुकार है बाबी शाह, वास्तु व एनर्जी एक्सपट्‌र्स। वॉलफोर्ट समूह का हर प्रोजेक्ट सफल रहा है इसलिए कि जो बताया है वही बनाया भी है। पूरी तरह वैधानिक प्रोजेक्ट का नियत समय पर पजेशन भी दिया है,और इसी गुडविल पर इस कामर्शियल प्रोजेक्ट्स में भी लोग बुकिंग करा रहे हैं।

वॉलफोर्ट समूह के आज 20 वर्ष हो गए रियल एस्टेट सेक्टर में काम करते हुए और उन्होने अब तक रायपुर व रायपुर से बाहर 30 से भी अधिक आवासीय व कामर्शियल प्रोजेक्ट दिए हैं। जिसकी गुणवत्ता, बनावट व लोकेशन्स एक मिसाल है। कामर्शियल प्रोजेक्ट में न केवल बड़े ब्रांड्स बल्कि विभिन्न कार्पोरेट घरानो के आफिस भी संचालित हो रहे हैं। यदि बात आवासीय प्रोजेक्ट की करें तो बंगले, लग्जरी अपार्टमेंट्स, स्वतंत्र मकान, फ्लैट, प्लाट्स हर बजट में उपलब्ध कराये गए हैं। विश्वस्तरीय आधुनिक एमेनिटीज से आज 10 हजार से भी अधिक कस्टमर परिवार अपनी खुशियां साझा कर आधुनिक लाइफस्टाइल का आनंद ले रहे हैं। समूह का रियल एस्टेट सेक्टर के अलावा अन्य सेक्टर में भी व्यावसायिक कार्य संचालन है।

तैमूर के नाम पर बवाल, करीना ने याद की दादा की सीख

करीना कपूर के बड़े बेटे तैमूर के जन्म के बाद उनके नाम पर काफी बवाल हो चुका है। करीना और सैफ अब भी वो मैटर याद कर लेते हैं। अब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल है जिसमें करीना बता रही हैं कि उस वक्त जो हुआ तैमूर को अंदाजा भी नहीं होगा। बाद में उसे लोगों का प्यार भी मिला। करीना ने बताया कि उन्होंने अपने दादा राज कपूर की बात गांठ बांध रखी है कि अगर तुम्हे सुपरस्टार बनना है तो ये सब झेलना होगा।

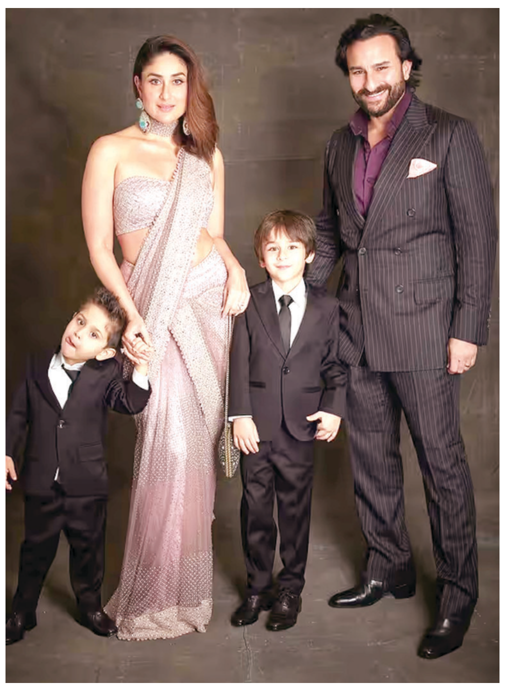

बवाल से पड़ता था फर्क

करीना कपूर का एक वीडियो मिस मालिनी शोजबिज पर शेयर किया गया है। इसमें वह तैमूर वाले बवाल और राज कपूर की सीख पर बात करती दिख रही हैं। करीना ने बताया कि उनके दादाजी ने कहा था कि सुपरस्टार बनना है तो ये सब बर्दाश्त करना होगा वर्ना यह जगह उनके लिए नहीं है। राज कपूर ने कहा था कि दिल पत्थर का बना होगा। तैमूर के नाम पर हुए बवाल पर बोलीं, 'बेशक मुझे फर्क पड़ रहा था कि लोग उसके नाम के बारे में बात कर रहे हैं। उसे तो शायद पता भी नहीं होगा कि इतना बखेड़ा खड़ा हुआ था और अब हर कोई ऐसे करता है कि ...ठीक है जो भी है।

समझ रहा है तैमूर

करीना आगे बोलीं, लेकिन उसे बहुत प्यार भी मिला क्योंकि लोगों को उसमें इंट्रेस्ट था। मुझे ऐसा लगता था कि क्यों? आप तो उसे जानते भी नहीं, वह इतना छोटा है। इसलिए मुझे लगता है कि अब वह धीरे-धीरे समझेगा और इस पूरे कल्चर को समझ रहा है कि लोग क्यों उसके पीछे जाते या फेटोज खींचते हैं।'

संभलकर करती हैं इंस्टाग्राम पोस्ट

करीना बोलीं, लेकिन मैं उसे याद दिलाती रहती हूं कि कुछ करना जरूरी है, तुम्हारे पेरेंट्स ने भी कुछ किया है। इसलिए उसे धीरे-धीरे समझ आ गया है। करीना ने बताया कि सारे बवाल के दौरान सैफरिलैक्स थे। उन्होंने यह भी बताया कि वह बहुत सी चीजें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं पर सब कुछ नहीं करतीं क्योंकि जो कुछ हुआ उस वजह से वह थोड़ी सावधान रहती हैं।

वरुण धवन की बेबी जॉन में नजर आएंगी कीर्ति सुरेश

दक्षिण भारतीय सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री कीर्ति सुरेश की 32वां जन्मदिन के खास मौके पर उनके प्रशंसकों को बड़ा तोहफा मिला है। दरअसल, वरुण धवन की आगामी फिल्म बेबी जॉन की स्टार कास्ट में कीर्ति शामिल हो गई हैं।पिछले काफी समय से यह खबरें आ रही थीं, लेकिन अब कीर्ति के जन्मदिन पर इसका आधिकारिक ऐलान हो गया है।इस फिल्म के जरिए कीर्ति बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं।

जियो स्टूडियोज ने कीर्ति को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, कीर्ति सुरेश को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। हम बेबी जॉन में आपका जादू देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते।कीर्ति और वरुण के अलावा वामिका गब्बी और जैकी श्रॉफ भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं।बेबी जॉन को 25 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इसके निर्देशन की कमान कलीज ने संभाली है, वहीं फिल्म कहानी जवान के निर्देशक एटली ने लिखी है।

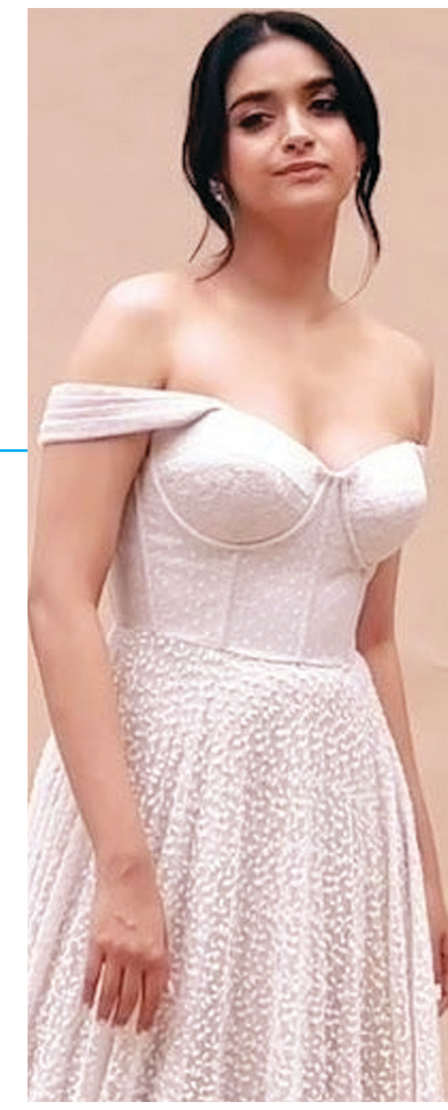

कार्तिक की फिल्म भूल भुलैया 3 का मुख्य गाना जारी

पिछले लंबे समय से अभिनेता कार्तिक आर्यन अपनी आगामी फिल्म भूल भुलैया 3 को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस फिल्म में कार्तिक की जोड़ी पहली बार अभिनेत्री तृप्ति डिमरी के साथ बनी है।इसके अलावा विद्या बालन और माधुरी दीक्षित भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाती हुई नजर आएंगी।अब निर्माताओं ने भूल भुलैया 3 का मुख्य गाना जारी कर दिया है, जिसमें कार्तिक जबरदस्त डांस करते नजर आ रहे हैं।

इस गाने को पिटबुल, नीरज श्रीधर और दिलजीत दोसांझ ने साथ मिलकर तैयार किया है।भूल भुलैया 3 इस साल दीवाली के खास मौके पर यानी 1 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना अजय देवगन की फिल्म सिंघम अगेन से होगा।भूल भुलैया 3 2007 में आई फिल्म भूल भुलैया की तीसरी किस्त है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान अनीस बज्मी ने संभाली है।

श्रद्धा को मिला नया प्यार

श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी पेशेवर जिंदगी के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियां बटोर रही हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में श्रद्धा ने खुलासा किया था कि वह रिलेशनशिप में हैं और अपने साथी के साथ समय बिताना पसंद करती हैं। पिछले कुछ समय से श्रद्धा का नाम फिल्म तू झूठी मैं मक्कार के लेखक राहुल मोदी के साथ जुड़ रहा है।अब खबर आ रही है कि श्रद्धा और राहुल का ब्रेकअप हो गया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रद्धा और राहुल को ब्रेकअप हो चुका है। दोनों स्त्री 2 की रिलीज से पहले ही अलग हो चुके हैं।राहुल से अलग होने के कुछ महीनों बाद अब श्रद्धा को नया प्यार मिल गया है।खबर आ रही है कि अभिनेत्री एक सिंधी व्यवसायी को डेट कर रही हैं, जो बॉलीवुड से ताल्लुक नहीं रखते। हालांकि, उन्होंने कुछ फिल्मों पर निवेश किया है। अब यह सच है या नहीं, ये तो श्रद्धा ही बताएंगी। खबर यह भी है कि श्रद्धा जिस सिंधी बिजनेसमैन को डेट कर रही हैं, वह उनसे उम्र में छोटा है। कहा जा रहा है कि वह स्त्री 2 के प्रचार-प्रसार के दौरान श्रद्धा के साथ दिल्ली में ही थे।रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि श्रद्धा जल्द ही सिंधी व्यवसायी से शादी के बंधन में बंध सकती हैं।राहुल और सिंधी बिजनेसमैन से पहले श्रद्धा का नाम अभिनेता आदित्य रॉय कपूर के साथ भी जुड़ चुका है।

इन तीन हसीनाओं के लिए धड़का था दाउद का दिल, एक का तो अब ठिकाना भी नहीं

बॉलीवुड में अंडरवर्ल्ड का दख्ल किसी से छिपा नहीं है। एक दौर ऐसा था जब दाउद इब्राहिम का बॉलीवुड पर कब्जा था। इसी दौरान दाउद इब्राहिम का कई हसीनाओं से अफेयर भी चला। कुछ हसीनाओं का करियर तबाह हो गया तो कुछ गायब ही हो गईं।

90 के दशक में बॉलीवुज पर अंडरवर्ल्ड का पहरा था। फिल्मों के प्रोडक्शन से लेकर, इनकी कमाई और हीरो-हीरोइनों की निजी जिंदगी पर भी अंडरवर्ल्ड का प्रभाव देखने को मिला। किसी के किरयर को अंडरवर्ल्ड ने उड़ान दी तो किसी की लुटिया ही डुबो दी। बॉलीवुड की कई हीरोइनों पर भी अंडरवर्ल्ड की नजर पड़ी। माफिया डॉन्स से बॉलीवुड एक्ट्रेस के अफेयर एक दौर में आम बात हो गई थी। कई हीरोइनें विदेश तो कई देश में ही अंडरवर्ल्ड डॉन के साथ वक्त बिताती नजर आती थीं। अबू सलेम से अपने प्यार की कहानी खुद मोनिका बेदी ने सुनाई, वहीं ममता कुलकर्णी और विकी गोस्वामी की लव स्टोरी भी किसी से छिपी नहीं। कहा जाता है कि ममता कुलकर्णी ने उसे जेल से निकाला था और इसके बाद से फिल्मों से गायब हो गईं। इसी बीच जिस अंडरवर्ल्ड डॉन के अफेर की सबसे ज्यादा चर्चा रही वो हैं दाउद इब्राहिम। दाउद इब्राहिम का किसी एक से नहीं बल्कि तीन हसीनाओं से अफेयर सुर्खियों में रहा।

पहली बार इस एक्ट्रेस से हुआ प्यार

दाउद इब्राहिम का बॉलीवुड कनेक्शन और बॉलीवुड हसीनाओं के लिए दिल्लगी कभी राज नहीं रही। वो खुलेआम अपने मनसूबों को अंजाम तो देता ही था, साथ ही बॉलीवुड हसीनाओं से खुलेआम आशिकी भी करता था। 'राम तेरी गंगा मैली' की एक्ट्रेस मंदाकिनी की खूबसूरती पर भी दाउद का दिल आ गया था। इतना ही नहीं मंदाकिनी भी उसके प्यार में पड़ गई थीं। प्यार दोनों के सिर चढ़कर बोल रहा था। दोनों अक्सर साथ देखे जाने लगे। आज भी दोनों की तस्वीरें खूब वायरल होती हैं। मंदाकिनी कई बार दाउद के साथ नजर आईं। रेस कोर्स में भी उन्हें दाउद के साथ देखा गया था, लेकिन फिर दोनों की नजदीकियां खत्म हो गईं और प्यार पर ब्रेक लग गया।

मंदाकिनी के बाद जिंदगी में आई ये हीरोइन

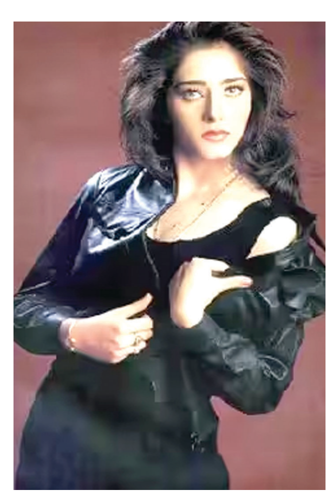

एक ओर मंदाकिनी और दाउद का रिश्ता टूट गया, वहीं दूसरी ओर एक्ट्रेस अपना चलता हुआ करियर छोड़ बॉलीवुड से गायब हो गईं। कई सालों बाद खुलासा हुई कि एक्ट्रेन ने नेपाल के एक लामा डॉक्टर से शादी कर ली है। अब वो अपने परिवार के साथ खुशहाल जिंदगी बिता रही हैं। दाउद इब्राहिम की जिंदगी से एक ओर मंदाकिनी गई तो वहीं दूसरी ओर अनीता अयूब की एंट्री हुई। अनीता अयूब पाकिस्तानी से बॉलीवुड में आई थीं और चंद फिल्में करके बतौर लीड एक्ट्रेस अपने पांव जमा रही थीं। दोनों का इश्क भी खूब परवान चढ़ा। दाउद और अनीता के प्यार का खुलासा तब हुआ जब निर्माता जावेद सिद्दिकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उस दौर में दाउद ने उन्हें मारने की जिम्मेदारी ली और कहा गया कि अनीता को काम न देने की वजह से दाउद ने उन्हें मौत के घाट उतारा था। वैसे अनीता अब कहां हैं, क्या कर रही हैं इसकी ज्यादा जानकारी किसी को नहीं है। इतना ही नहीं अनीता अयूब पर भारत की जासूसी का आरोप भी लगा था और इसी के चलते उन्हें पाकिस्तान वापस जाना पड़ा था। एक्ट्रेस ने दो शादियां कीं, पहली असफल रही और दूसरी के बाद वो दुनिया के किस कोने में हैं ये कह पाना मुश्किल है।

अनीता के बाद इस पाकिस्तानी हसीना से भी जुड़ा नाम

वैसे अनीता अयूब के जाने के सालों बाद खबरें आईं कि दाउद इब्राहिम को नया प्यार मिल गया। कहते हैं भारत से जाने के बाद दाउद ने पाकिस्तान में ही प्यार की तलाश की। पाकिस्तानी हीरोइन मेहविश हयात से दाउद का नाम जुड़ा। मेहविश हयात पाकिस्तान की आइटम गर्ल थीं और इसी गाने में देखने के बाद दाउद उनके फैन हो गए थे, लेकिन दाउद से नाम जुड़ने के बाद रातों-रात उनकी किस्मत चमकी और उन्हें कई लीड रोल मिलने लगे। इतना ही नहीं उन्हें पाकिस्तान का एक बड़ा नागरिक सम्मान भी मिला। वो हमेशा दाउद से अपने रिश्तों को नकारती आई हैं, लेकिन ज्यादा वक्त उनका दुबई में ही बीतता है और लोग कहते हैं कि वहां वो दाउद के साथ वक्त बिताती हैं। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की भी महविश हयात करीबी।

कृति सैनन ने पहनी लगभग 3 लाख रुपये की डेनिम जैकेट और ट्राउजर

कृति सैनन ने हाल ही में अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वह डेनिम जैकेट और ट्राउजर पहने नजर आ रही हैं। उनकी यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। अभिनेत्री का यह लुक भी उनके प्रशंसकों को खूब पसंद आ रहा है।हर शख्स कृति की इन कपड़ों की कीमत जानना चाहता है, जो लाखों में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कृति के इन कपड़ों की कीमत 2.93 लाख रुपये है।

कृति इन दिनों अपनी आगामी फिल्म दो पत्ती को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं।इस फिल्म के जरिए कृति बतौर निर्माता बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने जा रही हैं। दो पत्ती कृति के होम प्रोडक्शन ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स की पहली फिल्म है।इस फिल्म में दिग्गज अभिनेत्री काजोल भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। शाहीर शेख भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।इस फिल्म का प्रीमियर 25 अक्टूबर, 2024 से नेटफ्लिक्स पर होने जा रहा है।

हाई नीजः जानिए इस एक्सरसाइज के अभ्यास का तरीका व जरूरी बातें

हाई नीज एक सरल और प्रभावी एक्सरसाइज है, जो आपके कार्डियोवस्कुलर सहनशक्ति को बढ़ाने में मदद कर सकती है। यह एक्सरसाइज न केवल दिल की धड़कन को तेज करती है, बल्कि पैरों और पेट की मांसपेशियों को भी मजबूत बना सकती है। इसे कहीं भी और कभी भी किया जा सकता है, जिससे यह रोजाना की फिटनेस दिनचर्या में शामिल करने के लिए एक बेहतरीन विकल्प बन सकती है। इसके अलावा यह वजन घटाने में भी मददगार होता है।

हाई नीज कैसे करें?

सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं, फिर घुटनों को बारी-बारी से ऊंचा उठाएं, जैसे कि आप दौड़ रहे हों। ध्यान रखें कि आपके घुटने कम से कम आपकी कमर तक पहुंचें।इसमें अपने हाथों का उपयोग संतुलन बनाए रखने के लिए करें और उन्हें आगे-पीछे हिलाएं। इस प्रक्रिया को लगातार 30 सेकंड से 1 मिनट तक दोहराएं। अगर आप इसकी शुरुआत कर रहे हैं तो धीरे-धीरे समय बढ़ाएं।

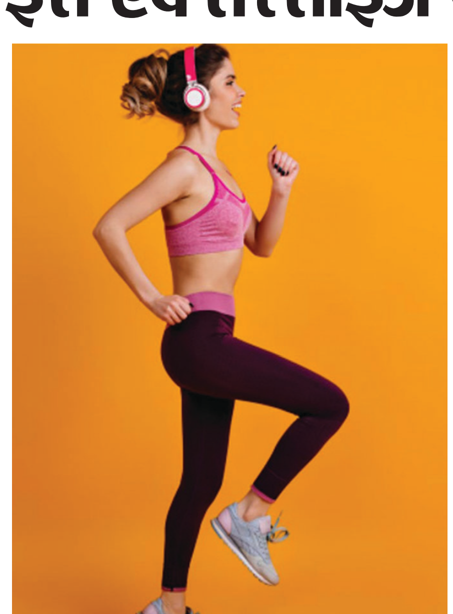

हाई नीज के फायदे

हाई नीज करने से दिल तेजी से धड़कता है, जिससे रक्त संचार बेहतर होता है और ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ती है। यह एक्सरसाइज आपके पैरों और पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद कर सकती है, जिससे आपकी शारीरिक सहनशक्ति बढ़ सकती है। इसके अलावा यह कैलोरी जलाने में भी मददगा है, जो वजन घटाने के लिए फायदेमंद हो सकता है। इस एक्सरसाइज को नियमित करने से आपकी फिटनेस स्तर में सुधार होता है।

हाई नीज करते समय सावधानियां

हाई नीज करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी होता है ताकि चोट लगने का खतरा न हो। सबसे पहले सुनिश्चित करें कि आप सही तरीके से खड़े हैं और आपके पैर जमीन पर मजबूती से टिके हुए हैं।अपने घुटनों को ऊंचा उठाते समय संतुलन बनाए रखें। अगर आपको किसी प्रकार की दर्द या असुविधा महसूस होती है तो तुरंत रुक जाएं और डॉक्टर से सलाह लें। एक्सरसाइज के दौरान आरामदायक कपड़े पहनें और पर्याप्त पानी पिएं।

हाई नीज को अपनी दिनचर्या में शामिल करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

हाई नीज को अपनी फिटनेस दिनचर्या में शामिल करना आसान होता है। इसे आप वार्म-अप एक्सरसाइज के रूप में कर सकते हैं या फिर मुख्य वर्कआउट का हिस्सा बना सकते हैं। इसे अन्य कार्डियोवस्कुलर एक्सरसाइज जैसे जॉगिंग या स्किपिंग के साथ मिलाकर किया जा सकता है ताकि आपको अधिकतम लाभ मिल सके। इस प्रकार हाई नीज एक सरल लेकिन प्रभावी एक्सरसाइज है, जो आपकी कार्डियोवस्कुलर सहनशक्ति बढ़ाने में मदद करता है।

आधारभूत सुविधाओं का तेजी से हो रहा विकास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विष्णु के सुशासन में राज्य में विकास की बयार बह रही है। ऐसा कोई क्षेत्र नही जहाँ पर आमजनों की सुविधाओं को ध्यान में रखकर कार्य न किया जा रहा हो। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा के प्रयास से बलौदाबाजार विधानसभा के बलौदाबाजार नगर पालिका में अधोसंरचना के 34 विभिन्न विकास कार्यो हेतु 2 करोड़ 21 लाख 23 हज़ार रुपए की स्वीकृति नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा दी गई है। उन्होंने कहा कि सरकार आमजनों आधारभूत जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यो के लिए प्रतिबद्ध है।

बालौदाबाज़ार नगर पालिका में वित्तीय वर्ष 2024-25 में अधोसंरचना मद अंतर्गत जिन विभिन्न विकास कार्यों हेतु राशि की घोषणा की गई है उसमें वार्ड क्र.1 पाटकर ठेला से ज्योति चांवला के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 4 लाख 61 हज़ार रुपए, सोनपुरी रोड मेन नाली में स्लैब निर्माण कार्य के लिए 2 लाख 68 हज़ार रुपए और हेतराम मनहरे के घर से पटेल इलेक्ट्रिकल्स तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 7 लाख 13 हज़ार रुपए शामिल है। इसी तरह वार्ड क्र.2 कलेक्ट्रेट बंगला के सामने दुर्गा मंदिर में बाउण्ड्रीवाल निर्माण कार्य के लिए 7 लाख रुपए, पुलिस कॉलोनी में आर. सी. सी. नाली कव्हर निर्माण कार्य के लिए 1 लाख 47 हज़ार रुपए, जिला अस्पताल से केन रोड तक नाली कव्हर निर्माण कार्य के लिए 1 लाख 57 हज़ार रुपए, मेन रोड से नम्रता चौबे घर होते हुए सत्यम यादव घर तक आर.सी.सी. नाली कव्हर निर्माण कार्य के लिए 1 लाख 75 हज़ार रुपए की स्वकृति दी गई है।

वार्ड क्र.3 संतोषी मंदिर से लाल डेयरी के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 3 लाख 91 हज़ार रुपए, वार्ड क्रं. 4 एस.पी.ध्रुव के घर से पी.सी. बंजारे के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 2 लाख 22 हज़ार रुपए और हेतराम आचले के घर से दिलीप कुमार खुटे के घर तक सी.सी. रोड एवं आर.सी. सी.नाली निर्माण कार्य के लिए 3 लाख 63 हज़ार रुपए, वार्ड क्र.5 आरोग्य ब्लड बैंक से नरोत्तम सोनी के घर होते हुए राजेश कुमार आजाद के घर से नरेश मिश्रा घर तक सी.सी. रोड एवं आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य के लिए 12 लाख 10 हज़ार रुपए, वार्ड क्र.6 गुरुघासीदास सामुदायिक भवन में फ्लोरिंग कार्य के लिए 3 लाख 68 हज़ार रुपए, वार्ड क्र.6 सुविधा पान दुकान से किशोर बाजपेयी के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य के लिए 4 लाख 69 हज़ार रुपए, वार्ड क्र.6 सोलहा तालाब पार में सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 11 लाख 54 हज़ार रुपए, वार्ड क्र.8 प्रभु पटेल के घर से मॉवली मंदिर के पीछे तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 8 लाख 02 हज़ार रुपए और रमाकांत पाण्डेय के घर से शत्रुहन पटेल के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 1 लाख 80 हज़ार रुपए, वार्ड क्र.9 मॉवली मंदिर गेट से ठाकुर देव चौक तक बी.टी. रोड कार्य के लिए 12 लाख 40 हज़ार रुपए की स्वीकृति दी गई है।

इसी तरह वार्ड क्र.10 दिलखुश ढाबा रायपुर रोड से जगदम्बा ग्लास तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 12 लाख 28 हज़ार रुपए, वार्ड क्र. 11 प्यारे पटेल के घर से ध्यानु गुप्ता के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य के लिए 8 लाख 43 हज़ार रुपए और राजकुमार बंजारे के घर से रामरतन कुर्रे के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य के लिए 2 लाख 16 हज़ार रुपए,वार्ड क्र. 12 अरविंद उद्यान से छोटू टण्डन के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 3 लाख 16 हज़ार रुपए और अरविंद उद्यान से छोटू टण्डन के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य के लिए 3 लाख 84 हज़ार रुपए, वार्ड क्र. 13 एवं 14 गांधी चौक सौन्दर्यीकरण कार्य के लिए 9 लाख 90 हज़ार रुपए, वार्ड क्र. 14 निशांत शुक्ला के घर से चेतन मिल मेन रोड तक बी.टी. रिनिवल कार्य के लिए 5 लाख 23 हज़ार रुपए, निशांत शुक्ला के घर से शेखर शुक्ला बड़ी दुकान तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 1 लाख 81 हज़ार रुपए और महमूद अली के घर से संतू धोबी, मुन्ना गुप्ता से राम मंदिर तक, मेन रोड से अनादि मिश्रा घर होते हुए महराम दुकान तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 6 लाख19 हज़ार रुपए, वार्ड क्र. 16 आजाद चौक से गौरीशंकर डोंगरे घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 4 लाख13 हज़ार रुपए और खेदू यादव के घर से सुमीत यादव के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 2 लाख 76 हज़ार रुपए,वार्ड क्र. 17 लक्ष्मी नगर शुक्ला घर से बब्बन वर्मा के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य के लिए 4 लाख 20 हज़ार रुपए,वार्ड क्र.18 रानी सागर तालाब से नगर भवन के पीछे तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 5 लाख 02 हज़ार रुपए और नगर भवन के बाजू से शासकीय सोसायटी होते हुए कन्हैया सेन के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य के लिए 3 लाख 18 हज़ार रुपए।

वार्ड क्र. 19 महामाया नगर में पाथवे एवं आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य के लिए 9 लाख 21हज़ार रुपए,वार्ड क्र.19 एवं 20 गार्डन चौक से षष्ठी मंदिर होते हुए रवि कन्नौजे घर तक बी.टी.टॉप रिनिवल कार्य के लिए 43 लाख 07 हज़ार रुपए,वार्ड क्र.21 रमेश विश्नोई के घर से हाईस्कूल मेन रोड तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य के लिए 6 लाख 46 हज़ार रुपए के विकास कार्य स्वीकृत किये गए है।

कानून-व्यवस्था की सीएम साय ने की समीक्षा

कहा,- नशे के कारोबार पर लगाएं कड़ा अंकुश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मुख्यमंत्री निवास में आयोजित बैठक में प्रदेश में कानून और व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने बैठक में अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर सख्ती से कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि हर हाल में कानून और व्यवस्था बहाल रखना चाहिए। पुलिस त्वरित कार्यवाही करे और चौकन्ना रहे। बैठक में उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय स्तर पर होने वाली घटनाओं पर पुलिस की पैनी नजर होनी चाहिए और इन घटनाओं के संभावित परिणाम पर भी विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपराधों को रोकने के लिए नशे के अवैध व्यापार पर अंकुश लगाया जाए। गांजा, अवैध शराब, ड्रग्स की तस्करी पर मुस्तैदी से कार्यवाही हो।

श्री साय ने कहा कि नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में रात्रि में पुलिस की गश्त नियमित रूप से होनी चाहिए। पुलिस के आला अफसर भी अनिवार्य रूप से पेट्रोलिंग करें। रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड, हवाई अड्डों के साथ ही संवेदनशील इलाकों में नियमित रूप से पुलिस की पेट्रोलिंग होती रहनी चाहिए। नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शॉपिंग मॉल, दुकानों, होटलों आदि रात्रि के समय पर निर्धारित समय पर बंद होनी चाहिए। बीयर बार एवं होटल निर्धारित समय पर बंद हो। ऐसे होटल जहां शराब की अवैध बिक्री की शिकायत मिलती है, उन पर सख्त कार्यवाही की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सायबर क्राईम को रोकने के लिए तत्परता से प्रभावी कार्यवाही की जाए। इस अवसर पर मुख्य सचिव अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव गृह मनोज कुमार पिंगुआ, पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत सहित गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति युवाओं को साहस, संघर्ष और नेतृत्व के गुणों से प्रेरित करेगी - उपमुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज गायत्री मंदिर के पास प्रस्तावित इतिहास के महान योद्धा, कुशल रणनितिकार छत्रपति शिवाजी महराज की मूर्ति स्थल का विधिवत पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन किया। यह मूर्ति 25 लाख रुपए की लागत से स्थापित की जाएगी, जिसका घोषणा उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने हाल ही में पीजी कॉलेज के इंडोर में आयोजित चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज के 53 वां एक दिवसीय केंद्रीय महाधिवेशन में में किया था।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने इस महत्वपूर्ण अवसर पर शिवाजी महाराज की वीरता, उनके योगदान और उनके आदर्शों का स्मरण करते हुए कहा कि यह मूर्ति आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। इसके माध्यम से छत्रपति शिवाजी महाराज के इतिहास को जीवंत रखने और उनकी बहादुरी व दूरदर्शिता को सम्मानित करने का प्रयास किया गया है। यह स्थल क्षेत्रीय गौरव और भारतीय इतिहास के प्रति लोगों की निष्ठा को भी सुदृढ़ करेगा। उन्होंने कहा कि कवर्धा में युवाओं के प्रेरणास्रोत छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा की स्थापना के लिए आज विधिवत भूमिपूजन किया गया है ताकि कवर्धा और छत्तीसगढ़ के युवाओं को लगातार प्रेरणा मिलती रहे। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में वर्णन करते हुए कहा कि यह मूर्ति न केवल ऐतिहासिक धरोहर का प्रतीक होगी, बल्कि युवाओं को साहस, संघर्ष और नेतृत्व के गुणों से भी प्रेरित करेगी। चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज के प्रतिनिधियों ने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति की स्थापना से न केवल समाज को गर्व महसूस होगा, बल्कि यह युवाओं में प्रेरणा का स्रोत बनेगी। उन्होंने इस पहल के लिए उपमुख्यमंत्री के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया और आशा व्यक्त की कि इससे सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक धरोहर को भी सशक्त किया जाएगा। समाज के सदस्यों ने इस परियोजना को लेकर अपनी संतुष्टि और उत्साह भी जाहिर किया। इस अवसर पर पूर्व संसदीय सचिव मोतीराम चन्द्रवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष मनहरण कौशिक, कैलाश चंद्रवंशी, चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, नगर पालिका उपाध्यक्ष जमील ख़ान, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनिल ठाकुर, राजेंद्र सलूजा, जनपद उपाध्यक्ष वीरेंद्र साहू, सतीस चन्द्रवंशी, पार्षद उमंग पांडेय, पवन जायसवाल, सुनील साहू, सुनील साहू, पार्षदगण, गणमान्य नागरिक और समाज के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

अधोसंरचना निर्माण एवं विकास कार्यों के लिए मिली 1.49 करोड़ से अधिक की स्वीकृति

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। प्रदेश के हर गाँव और शहर में अधोसंरचना विकास से लेकर जनता की मूलभूत सुविधाओं एवं आवश्यक व्यवस्थाओं की पूर्ति के लिए छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार द्वारा लगातार विकास कार्यों की सौगात प्रदेशवासियों को दी जा रही है।

पंडरिया विधासनभा में भी नगर पालिक व नगर पंचायत के सौन्दर्यीकरण, अधोसंरचना विकास, सड़क निर्माण एवं विभिन्न विकास कार्यों के लिए भी पंडरिया विधायक भावना बोहरा के लगातार प्रयासों से करोड़ों की सौगात मिली है। आज भावना बोहरा के प्रयासों से इंदौरी नगर पंचायत में विभिन्न विकास कार्यों के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा 1 करोड़ 49 लाख 97 हजार रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है।

विदित हो की पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा उप मुख्यमंत्री अरुण साव को पत्र के माध्यम से पंडरिया विधानसभा के अंतर्गत नगर पालिका एवं नगर पंचायत अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में विकास व सौन्दर्यीकरण, स्वच्छता, जनता की मूलभूत सुविधाओं और अन्य आवश्यक सुविधाओं के विस्तार हेतु प्रस्ताव प्रेषित किया था। उनके प्रस्ताव और जनता के हित को देखते हुए विभाग द्वारा अबतक नगर पालिका परिषद् पंडरिया, नगर पंचायत पांडातराई एवं इंदौरी के सौन्दर्यीकरण, मूलभूत सुविधाओं और अधोसंरचना विकास हेतु 6 करोड़ 90 लाख रुपए की स्वीकृति मिल चुकी है। इसमें नगर पालिका परिषद पंडरिया हेतु 3 करोड़ रुपए, नगर पंचायत पांडातराई हेतु 2 करोड़ 40 लाख रुपए एवं आज नगर पंचायत इंदौरी हेतु 1 करोड़ 49 लाख 97 हजार रुपए की स्वीकृति दी गई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में अधोसंरचना मद अंतर्गत विकास कार्यों के लिए राशि की स्वीकृति दी गई है जिसके लिए भावना बोहरा ने पूरे पंडरिया विधानसभा की जनता की ओर से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री अरुण साव का आभार व्यक्त किया है। इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का उद्देश्य और लक्ष्य जनसुविधाओं के विस्तार के साथ ही क्षेत्र का विकास प्राथमिकता से रहा है।

पर्यावरण एवं जल संरक्षण के लिए योगदान देते हुए समाज के प्रति निभाएं अपना दायित्व - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में आज जिला पंचायत सभाकक्ष में फसल विविधीकरण एवं जल संरक्षण के मद्देनजर अनुविभागीय कृषि अधिकारी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारियों की बैठक सह कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कलेक्टर अग्रवाल ने कहा कि जल जीवन के लिए आवश्यक है। सभ्यताएं नदियों के किनारे विकसित होती हैं और शहर पानी की आवश्यकता को देखते हुए बसते हैं। उन्होंने बताया कि दक्षिण अफ्रीका के केपटाऊन में पानी की अत्यधिक कमी थी। पानी की कमी से कई देश जूझ रहे हैं। जल के अत्यधिक दोहन के कारण भू-जल स्तर में कमी आयी है। उन्होंने कहा कि जिले में राजनांदगांव, डोंगरगांव एवं डोंगरगढ़ विकासखंड क्रिटिकल जोन में है। यदि अभी हमने जल का संरक्षण नहीं किया, तो आने वाले समय में जल संकट की स्थिति बन सकती है। पहले पिछले 10 वर्ष में 100 से 150 फीट में बोर कराने से पानी आ जाता था, लेकिन भू-जल स्तर इतना कम हो गया है कि 400-600 फीट नीचे चला गया है। ग्लोबल वार्मिग के दुष्प्रभाव के कारण भीषण गर्मी बढ़ी है। वहीं पानी का अत्यधिक दोहन होने के कारण भी जल संकट की स्थिति बन रही है। जिले में मिशन जल रक्षा के तहत जल संरक्षण के साथ ही पौधरोपण भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा यह कर्तव्य है कि पर्यावरण एवं जल संरक्षण के लिए अपना योगदान देते हुए समाज के प्रति दायित्व निभाएं। किसानों को रबी सीजन में धान के बदले कम पानी की आवश्यकता वाले फसलों को बढ़ावा देने की जरूरत है। उन्होंने सभी कृषि अधिकारियों से कहा कि किसानों को रबी सीजन अंतर्गत उद्यानिकी फसलें दलहन, तिलहन एवं कम पानी की आवश्यकता वाले फसल लगाने के लिए प्रेरित करें। इसके लिए सोच बदलने की जरूरत है तथा छोटे किसानों को क्लस्टर में सामूहिक खेती करने के लिए तथा उद्यानिकी फसलों एवं दलहन व तिलहन के फसलों को बढ़ावा देने के लिए कार्य करें।

कलेक्टर ने कहा कि इस वर्ष सभी कृषि से जुड़े अधिकारी धान के बदले अन्य फसलों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष तौर पर प्रयास करें।

जशपुर जम्बूरी में पर्यटकों को मिल रहा रोमांचक खेलों के साथ देशी कहानियों का मजा

कैम्पिंग, साहसिक खेलों और दोस्ती का मजेदार सफर, रॉक क्लाइंबिंग, रैपलिंग, बोटिंग, ट्रैकिंग से लेकर जनजातीय परिचय का पर्यटकों ने लिया आनंद

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जशपुर जम्बूरी देशदेखा की पहाड़ियों में होने वाले इस चार दिवसीय युवा उत्सव का आयोजन इस बार भी किया जा रहा है। 17 से 20 अक्टूबर तक चलने वाले इस आयोजन कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल के मार्गदर्शन में जशपुर पर्यटन को नया आयाम देने तथा जशपुर की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत से देश और दुनिया को परिचित कराने के लिए जम्बूरी में विभिन्न साहसिक गतिविधियों के साथ जनजातीय सांस्कृतिक परिचय, जनजातीय कहानी वाचन, लोक गीत, जनजातीय वेशभूषा परिचय, पारम्परिक व्यंजनों से परिचय आदि का आयोजन किया जा रहा है।

जिसके तहत शुक्रवार को देशदेखा पहाड़ी में साहसिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें पर्यटकों को पहाड़ की खड़ी ढलानों पर रस्सियों के सहारे रॉक क्लाइम्बिंग एवं रैपलिंग का आनंद लिया। फिर देशदेखा की पहाड़ियों में जंगली रास्तों में स्थानीय वनस्पतियों का ज्ञान लिया और ट्रैकिंग करते हुए जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार भी पर्यटकों के साथ मयाली डैम स्थित मयाली नेचर कैम्प पहुंचे।

देश भर से जंबूरी उत्सव में भाग लेने आए युवाओं का मायली नेचर पार्क पहुंचने पर उनका स्वागत पारंपरिक करमा नृत्य एवं स्वागत गीत से किया गया। युवाओं ने भी कर्मा नर्तकों के आकर्षण नृत्य देखकर अपने आप को रोक नहीं पाए और उनके साथ कदम ताल मिलाकर बड़े उत्साह के साथ नृत्य किया। स्थानीय व्यंजन और जनजातीय कलाकारों के द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी के माध्यम से जनजातीय कला की जानकारी लेने के साथ पर्यटकों ने स्थानीय जनजातीय समूह से परिचय भी किया। इसके पश्चात मयाली नेचर पार्क में उन्होंने बोटिंग का भी आआनंद लिया। रांची झारखंड की दीपिका ने बताया कि यहां आकर वह काफी उत्साहित है। उन्होंने बताया कि वह फिल्मों में ही ऐसा युवाओं का उत्सव देख पातीं थीं। यहां पर एडवेंचर स्पोर्ट के तहत बॉन फायर, रॉक क्लाइंबिंग, बोटिंग , ट्रैकिंग करना उनके सपनों को पूरा करने जैसा है। रायपुर के आयुष्मान ने बताया कि यहां आकर उन्हें आदिवासी संस्कृति की सरलता और सादगी को जानने का मौका मिला जो बहुत मजेदार है। उन्होंने प्रशासन के द्वारा की गई व्यवस्था की तारीफ करते हुए कहा कि यहां पर सभी तरह का इंतजाम अच्छी तरह से किया है। इंदौर के सुष्मीत जैन ने बताया कि यहां पर आकर नई नई चीजें सीखने का मौका मिल रहा है। यहां पर जंबूरी उत्सव के तहत किए जा रहे आयोजन बेहद ही शानदार है। इस अवसर पर बिलासपुर के दीपक पटेल ने कहा कि जशपुर जम्बूरी में देश के अलग अलग हिस्सों से आये लोग एक साथ मिल रहे हैं और हमें एक दूसरे से जुड़ कर नई नई चीजें सीखने को मिल रहीं हैं ये जम्बूरी मेरे लिए दोस्ती के उत्सव की तरह है।

कौशल विकास के लिए 28 तक काउंसिलिंग कैम्प

जशपुरनगर। जशपुर के बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में नि:शुल्क प्रशिक्षण हेतु जिला एवं विकासखंड स्तरीय मोबिलाइजेशन एवं काउंसलिंग कैम्प का आयोजन 28 अक्टूबर 2024 तक किया जायेगा। इस काउंसलिंग कैम्प में प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार एवं स्वरोजगार की इच्छा रखने वाले युवक युवतियां सम्मिलित हो सकते हैं। काउंसलिंग में मेडिकल, कम्प्युटर, ब्यूटी पार्लर, रिटेल, सोलर, फायर फाइटर जैसे विधाओं में निशुल्क प्रशिक्षण हेतु युवाओं को पंजीकृत किया जायेगा। विदित हो कि 15 अक्टूबर को वशिष्ट कम्युनिटी हॉल जशपुर एवं जनपद पंचायत भवन मनोरा, 16 अक्टूबर को सामुदायिक भवन आरा एवं प्राथमिक शाला घाघरा, मनोरा, 17 अक्टूबर को दुलदुला में राजीव गाँधी भवन, जनपद कार्यालय के सामने एवं जनपद पंचायत भवन कुनकुरी, 18 अक्टूबर को ग्राम पंचायत भवन करडेगा, विकासखंड दुलदुला एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालया बन्दरचुवा, विकासखंड कुनकुरी काउंसलिंग कैम्प का आयोजन किया गया है। इसी प्रकार 23 अक्टूबर को जनपद पंचायत भवन पत्थलगांव एवं जनपद पंचायत भवन बगीचा, 24 अक्टूबर को तहसील परिसर बागबहार, विकासखंड पत्थलगांव एवं ग्राम पंचायत भवन सन्ना,28 अक्टूबर को सामुदायिक भवन दोकड़ा में काउंसलिंग कैम्प का आयोजन नियत तिथि पर प्रात: 11 बजे से प्रारम्भ किया जायेगा।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

नदी में मछली मारने युवक ने बिछाया बिजली का तार,चपेट में आने से हो गई मौत

कबीरधाम। कुकदूर थाना क्षेत्र के ग्राम नेऊर में एक युवक की मौत बिजली की करंट से हो गई है। युवक अपने दोस्तों के साथ नदी में बिजली के करंट से मछली मार रहा था। इसी करंट की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई।

मिली जानकारी अनुसार शुक्रवार दोपहर को ग्राम नेऊर निवासी युवक मोहन अपने साथियों के साथ नदी में मछली मारने के लिए गया था। मछली मारने के लिए पास के 11 केवी लाइन से बिजली की तार को नदी में डाला था। इसी करंट की चपेट में वह खुद आ गया। इसके बाद युवक को अचेत अवस्था में कुकदूर के सरकारी अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया है। देर शाम युवक के शव का पोस्टमार्टम कर परिजन को सौंप दिया है। इस मामले में कुकदूर पुलिस ने मर्ग कायम किया है। मामले की जांच की जाएगी। बता दें कि कुकदूर थाना वनांचल क्षेत्र में आता है। यहां अवैध तरीके से जंगली जानवर का शिकार करने बिजली के करंट का उपयोग किया जाता है। यही कारण है कि कई बार हादसे हो चुके हैं। इसके बाद भी लोगों द्वारा अवैध तरीके से बिजली के करंट का उपयोग किया जा रहा है।

युवक ने लगाई फांसीः सुसाइड नोट में लिखा कुछ महिलाओं और अधिकारियों के नाम

रायपुर। रायपुर में एक युवक ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। दरअसल, युवक घर में अकेला ही रहता था। घटना की जानकारी मिलने पर इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर घटनास्थल पर पहुंची। इस दौरान पुलिस को सुसाइड नोट मिला है।

जानकारी के अनुसार, मृत युवक का नाम प्रतीक सैम्युल है, जो कि पेशे से कंस्ट्रक्शन और सरकारी विभागों में सप्लाई का काम करता था। उसने आत्महत्या करने से पहले एक सुसाइड नोट लिखा है, जिसमें उसने कुछ महिलाओं और बड़े अधिकारियों के नाम लिखे हैं। फिलहाल पुलिस ने सुसाइडल नोट को जब्त कर जांच शुरू कर दी है। खुदकुशी के पीछे के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो पाया है, लेकिन पुलिस इस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है। आत्महत्या की असली वजह सुसाइडल नोट और जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। जानकारी के अनुसार, प्रतीक सैम्युल ने दो दिन पहले ही आत्महत्या की है। घर में अकेले रहने की वजह से आत्महत्या की जानकारी किसी को नहीं मिली। मृतक का मित्र जब उसके घर पहुंचा, तब उसने फांसी के फंदे पर लटकते हुए अपने दोस्त प्रतीक को देखा। इसके बाद उसने पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

लापता नाबालिग लड़कियों को पुलिस ने ढूंढा, घूमते-घूमते पहुंच गई थी लोरमी

कबीरधाम। पंडरिया थाना क्षेत्र के एक गांव से तीन नाबालिग लड़कियां अचानक गायब हो गईं। ऐसे में गांव में हड़कंप मच गया। करीब 15 घंटे बाद शुक्रवार को पुलिस ने तीनों लड़कियों को बरामद कर लिया है। ये घूमते हुए मुंगेली जिले के लोरमी क्षेत्र पहुंच गई थी।

पंडरिया थाना प्रभारी टीआई नितिन तिवारी ने बताया कि गुरुवार रात करीब 10 बजे पंडरिया थाना में ग्रामीणों व परिजनों ने सूचना दर्ज कराई थी कि गांव के शासकीय स्कूल से छुट्टी होने के बाद तीन नाबालिग बालिका को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा अपहरण कर ले जाया गया है। सूचना प्राप्त होते ही थाना पंडरिया में अपराध तीन अलग-अलग एफआईआर अंतर्गत धारा 137(2) बीएनएस दर्ज कर जांच शुरू किया किया और लड़कियों तक पहुंची।

दंतेवाड़ा-नारायणपुर मुठभेड़ : 31 नहीं 38 नक्सली मारे गए, सभी की हुई शिनाख्त

बस्तर रेंज आईजी सुंदरराज पी, एसपी प्रभात कुमार ने जारी की सूची

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा-नारायणपुर मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 38 नक्सलियों को मार गिराया। सभी नक्सलियों की पहचान पूरी कर ली गई है। बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी है। आईजी सुन्दरराज पी. ने बताया कि मुठभेड में 01 डीकेएसजेडसी, 01 सी.वाय.पी.सी. कमांडर,04 डीवीसीएम, 18 पीएलजीए कंपनी नंबर 06 सदस्य, 02 डीकेएसजेडसी गार्ड, 09 एरिया कमिटी सदस्य तथा 01 एरिया कमिटी के पार्टी सदस्य,02 जन मिलिशिआ कैडर की पहचान कार्यवाही पूरी की जा चुकी है। आईजी ने कहा कि प्रतिबंधित एवं गैर कानूनी सीपीआई माओवादी संगठन के पास अब हिंसा छोड़कर आत्मसमर्पण करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं बचा है, इसलिए माओवादी संगठन से पुनः अपील हैं कि तत्काल हिंसात्मक गतिविधियों को छोड़कर समाज की मुख्यधारा में जुड़े अन्यथा परिणाम भुगतने को तैयार रहें।

उप पुलिस महानिरीक्षक दंतेवाड़ा कमलोचन कश्यप ने बताया गया कि मुठभेड़ में मारे गए 29 माओवादियों के शव को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। इसके अलावा बड़ी संख्या में नक्सलियों के घायल होने की प्रबल संभावना है द्य पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा गौरव राय और पुलिस अधीक्षक नारायणपुर प्रभात कुमार द्वारा बताया गया सभी की पहचान पूरी हो गई है। मारे नक्सलियों पर 2 करोड़ 62 लाख रुपए का इनाम था। जिन पर जिला दन्तेवाड़ा, नारायणपुर, कोण्डागांव, बस्तर में कुल 250 से अधिक अपराध पंजीबंद्व है। उक्त माओवादियों के द्वारा पुलिस-नक्सली मुठभेड़ 61, कैम्प अटैक 11, आईईडी ब्लास्ट 17, आगजनी 09, पोलिंग बूथ पर हमला 03 जैसे गंभीर अपराध किये गयें जिनमें कुल 26 आम नागरिक घायल, 23 आम नागरिको की हत्या जैसे वारदातों को अंजाम दिया गया।

मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों के नाम

- नीति उर्फ उर्मिला उम्र 45 वर्ष पद डीकेएसजेडसीएम, पूर्व बस्तर डिविजन कमेटी सचिव,25 लाख ईनामी, निवासी ग्राम हिरमागुण्डा थाना गंगालूर जिला बीजापुर
- नंदू मण्डावी पद-सीवायपीसी सदस्य, कंपनी नंबर 06 कमाण्डर पष्चिम बस्तर डिवीजन, 10 लाख ईनामी, निवासी ग्राम कोतराम थाना भैरमगढ़ जिला बीजापुर
- सुरेश सलाम उर्फ जानकू पद -डीव्हीसीएम पूर्वी बस्तर डिवीजन 08 लाख ईनामी निवासी ग्राम छोटे फरसगांव थाना झारा जिला नारायणपुर
- मीना नेताम उम्र 44 वर्ष पद डीव्हीसीएम पूर्वी बस्तर डिवीजन ,08 लाख ईनामी, निवासी ग्राम मोहंदी जिला नारायणपुर
- महेश मण्डावी पद डीव्हीसीएम पूर्वी बस्तर डिवीजन,08 लाख ईनामी,निवासी ग्राम घोटिया थाना मालेवाही, जिला दंतेवाड़ा
- मुरली मातलामी पद डीव्हीसीएम ,पूर्वी बस्तर डिवीजन 08 लाख ईनामी ग्राम मण्डानार ब्लाक अंतागढ़ जिला कांकेर
- बुधराम मड़काम पद पीपीसीएम, पीएलजीए कम्पनी नम्बर 06 सदस्य , 08 लाख ईनामी, निवासी भैरमगढ़ जिला बीजापुर
- बसंती वड्डा पति साकेत उम्र 30 वर्ष पद पीपीसीएम. पीएलजीए कम्पनी नम्बर 06 सदस्या , 08 लाख ईनामी, निवासी ग्राम थाना कोयलीबेड़ा जिला कांकेर
- जगनी वड्डे उम्र 36 वर्ष पद- पीएलजीए कम्पनी नंबर 06 सदस्या,08 लाख ईनामी, निवासी ग्राम अडेंगपाल थाना बैंगलूर जिला नारायणपुर
- सोमे दुग्गा उम्र- 30 वर्ष करीबन पद पीपीसीएम पीएलजीए कम्पनी नम्बर 06 सदस्य,08 लाख ईनामी, निवासी ग्राम रेखावट्टी थाना कोयलीबेड़ा जिला कांकेर
- जुगनी कावड़े उर्फ अनिता पद- पीपीसीएम पीएलजीए कम्पनी नंबर 06 सदस्या ,08 लाख ईनामी , ग्राम किलेनार ब्लाक अंतागढ़ जिला कांकेर
- सुशील उर्फ धन्नी कोवाची पद- पीपीसीएम,पीएलजीए कम्पनी नंबर 06 सदस्या,08 लाख ईनामी, ग्राम काकड़ीपदर थाना पुंगारपाल जिला कोण्डागांव
- दशमति पोयाम पद- पी.एल.जी.ए. कम्पनी नंबर 06 सदस्या, 08 लाख ईनामी,निवासी ग्राम रोताड, पोचावाडा थाना ओरछा जिला नारायणपुर
- मासे उर्फ शकीला पिता स्व- बुडता उम्र 26 पद- पी.एल.जी.ए.कम्पनी नंबर 06 सदस्या, 08 लाख ईनामी, ग्राम तोयामेटा थाना छोटेडोंर जिला नारायापुर
- सोमारू मंडावी पिता बलधर मंडावी उम्र 24 वर्ष पद- पीएलजीए कम्पनी नंबर 06 सदस्य, 08 लाख ईनामी, निवासी ग्राम तोयामेटा थाना छोटेडोंगर जिला नारायणपुर
- मड़कम मंगू पिता मड़कम हिड़मा पद- पीएलजीए कम्पनी नंबर 06 सदस्य, 08 लाख ईनामी, निवासी ग्राम बुड़जी थाना बासागुड़ा जिला बीजापुर
- अर्जुन उर्फ रंजीत नेताम उम्र- 30 वर्ष करीबन पद पीएलजीए कम्पनी नम्बर 06 सदस्य, वन प्लाटून सचिव/कमांडर , 08 लाख ईनामी, ग्राम डुंगा-पल्लेवाया थाना ओरछा जिला नारायणपुर
- सुन्दर उर्फ कमलू कलमू पद पीएलजीए कम्पनी नम्बर 06 पार्टी सदस्य, 08 लाख ईनामी, ग्राम मदूम थाना गंगालूर जिला बीजापुर
- मोहन मण्डावी पद पीएलजीए कम्पनी नम्बर 06 सदस्य, 08 लाख ईनामी, निवासी ग्राम बोदली थाना मालेवाही जिला दंतेवाड़ा
- अनिल डोड्डी पद पीएलजीए कम्पनी नम्बर 06 सदस्य, 08 लाख ईनामी, निवासी ग्राम मदूम थाना गंगालूर जिला बीजापुर
- जनीला उर्फ बुधरी कोवाची उम्र 40 वर्ष पद- पीएलजीए कम्पनी नम्बर 06 सदस्या, 08 लाख ईनामी, निवासी ग्राम साकिन कोटमेटा थाना पूँगारपाल जिला कोण्डागांव
- सुगदाय कश्यप पद- पीएलजीए कम्पनी नम्बर 06 सदस्य, 08 लाख ईनामी, ग्राम कहचेनार थाना मालेवाही जिला बस्तर
- सोमारू कड़ती पद- पीएलजीए कम्पनी नम्बर 06 सदस्य, 08 लाख ईनामी, ग्राम कुव्वे ब्लाक गीदम थाना बारसूर जिला दंतेवाड़ा
- सुमन उर्फ षांतो मड़काम पद- पीएलजीए कम्पनी नम्बर 06 सदस्या, 08 लाख ईनामी, ग्राम रेखावाया थाना ओरछा जिला नारायणपुर
- मनोज उर्फ संपत मंडावी पिता स्व. सोनारू उम्र 35 वर्ष पद- आमदई एरिया कमेटी सदस्य, 5 लाख ईनामी, निवासी, ग्राम ताड़नार पंचायत पोचावाड़ा थाना ओरछा जिला नारायणपुर
- सुक्कु उर्फ गुड्डू सलाम उम्र 34 वर्ष पद ङ्क बयानार एरिया कमेटी सदस्य, 5 लाख ईनामी, निवासी ग्राम कानागांव थाना कोहकामेट्टा जिला नारायणपुर
- विजय उर्फ सुकलू कोर्राम पद बयानार एरिया कमेटी सदस्य, 5 लाख ईनामी, निवासी ग्राम कोंगेरा घोटिया पारा थाना झारा जिला नारायणपुर
- सोनू कोर्राम पद बयानार एरिया कमेटी सदस्य, 5 लाख ईनामी, निवासी ग्राम सूलेंगा थाना धौड़ाई जिला नारायणपुर
- जमली मंडावी उम्र 36 वर्ष पद आमदई एरिया कमेटी सदस्या 5 लाख ईनामी, निवासी ग्राम मोडोनार तोयामेटा थाना छोटेडोंगर जिला नारायणपुर
- फुलो उर्फ सुंदरी ओयाम उम्र- 30 वर्ष करीबन पद आमदई एरिया कमेटी सदस्या 5 लाख ईनामी, निवासी ग्राम झिल्ली थाना भैरमगढ़, जिला बीजापुर
- रोहन पद्दा उर्फ सोहन, पद- एसीएम डिवीजन कम्युनिकेशन जिम्मेदारी, 5 लाख ईनामी, ग्राम कुमुरगुण्डा थाना कोयलीबेड़ा जिला कांकेर
- रामदेर कोर्राम पद ङ्क बयनार एरिया कमेटी सीनियर पार्टी सदस्य 5 लाख ईनामी, निवासी ग्राम उसरी थाना मर्दापाल जिला कोंडागांव
- सीमा उर्फ जुगाय कोर्राम बयनार एरिया कमेटी सीनियर पार्टी सदस्या, 5 लाख ईनामी, ग्राम सुलेंगा थाना धौड़ाई जिला नारायणपुर
- मंगलदई कश्यप पिता स्व. जगन्नाथ उम्र- 35 पद- एसजेडसीएम नीति की गार्ड, पार्टी सदस्या 02 लाख निवासी- ग्राम कुधुर पोस्ट मटवाल थाना फुंगारपाल जिला कोंडागांव
- जनबती कश्यप पद- एसजेडसीएम नीति की गार्ड, पार्टी सदस्या 02 लाख ग्राम इरपानार ब्लाक भैरमगढ़ जिला बीजापुर
- फूलमती पदामी पिता घसिया पदामी उम्र 27 वर्ष पद- आमदई एरिया पार्टी सदस्या, ईनामी 02 लाख, निवासी ग्राम ईरपानार थाना बारसूर जिला दंतेवाड़ा
- लोकेश उर्फ साबन पोयाम पद- जनमिलिशिया सदस्य, निवासी ग्राम एरपुंड सालेपाल थाना मालेवाही जिला दंतेवाड़ा
- फूलसिंग कोवाची पद- जनमिलिशिया सदस्य ग्राम भटबेड़ा थाना बारसूर जिला दंतेवाड़ा

महिला कांग्रेस नेता के बेटे की फंदे से लटकी मिली लाश, कुछ दिनों से था परेशान, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा मानिकपुर चौकी अंतर्गत रवि शंकर शुक्ला नगर स्थित वाल्मीकि आवास में रहने वाले रितेश थापा (34) ने गुरुवार रात आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही मानिकपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा करते हुए पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल मेडिकल कॉलेज के लिए रवाना किया।

बताया जा रहा कि रितेश देर रात 10 बजे घर पहुंचा था। खाना खाकर अपने कमरे में सोने चला गया। जब रात लगभग दो बजे जब उसी मां बाथरूम के लिए उठी तो उसका कमरा खुला हुआ मिला। पास जाकर अंदर देखा तो उसके होश उड़ गए। फांसी के फंदे पर उसकी लाश लटकी हुई मिली और उसे देख चीख-पुकार मचाने लगी। इस दौरान आसपास के लोगों को आवाज देकर उठाया और इसकी सूचना मानिकपुर चौकी पुलिस को दी गई।

मृतक रितेश की मां कांग्रेस नेता हैं और पिछले कई सालों से पार्टी के लिए काम करती आ रही हैं। बताया जा रहा है कि उसके दो बेटे हैं। रितेश बड़ा बेटा था। वहीं छोटा सोमेश थापा है, जो रायपुर में रहता है और निजी कंपनी में काम करता है। रितेश की शादी हो चुकी है और एक बच्चा भी है। पिछले कुछ दिनों से उसकी पत्नी बच्चे को लेकर अपने मायके चले गई थी, जिसे फोन कर बुलाया गया। रितेश वर्तमान में कुछ काम नहीं करता था। बताया जा रहा कि मानसिक रूप से परेशान भी रहा करता था, जिसके चलते उसने ये घातक कदम उठाया होगा। जांच कर रहे मानिकपुर चौकी में पदस्थ पुलिसकर्मी सुदामा ने बताया कि मृतक के परिजनों का बयान दर्ज किया गया है आगे की जांच की जा रही है।

रायपुर में पुलिस ने पकड़ा 8 करोड़ रुपए का सोना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में शुक्रवार को 8 करोड़ का सोना बरामद किया गया है। यह सोना जगदलपुर से लाया गया और भटगांव में जांच के दौरान पकड़ाया है। जिन लोगों के पास से यह सोना मिला है वे राजधानी के एक सराफा कारोबारी के कर्मचारी हैं और गोल्ड ज्वेलरी के संबंध में कोई भी लीगल डाक्यूमेंट नहीं दिखा पाए। पुलिस ने आईटी विभाग को सूचना दी। सूचना के बाद मौके पर आईटी के विभाग के अधिकारी भी पहुंच गए। मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है।

बता दें राजधानी के रायपुर दक्षिण में इन दिनों चुनावी शोरगुल है। आचार संहिता प्रभावी है और ऐसे समय में इतनी मात्रा में सोना मिलना जांच का विषय है। टिकरापारा पुलिस ने बताया कि जांच में मिले सोना का वजन 12 किलो 800 ग्राम है। इसकी बाजार में कीमत 8 करोड़ रुपए है। यह पूरा गोल्ड रायपुर के एक सराफा कारोबारी का है लेकिन पुलिस ने उसका नाम नहीं बताया है। पुलिस व आईटी विभाग के अधिकारी उसके कर्मचारियों से पूछताछ कर रहे हैं।

टिकरापारा थाना पुलिस के अनुसार भाठागांव बस स्टैंड में यात्रियों की रूटीन चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान तेलीबांधा निवासी लिंगराज नायक, हितेश तांडी और शुभम पात्रों के बैग से भारी मात्रा में सोने की ज्वेलरी मिली। ये तीनों रायपुर के सराफा कारोबारी के कर्मचारी हैं। बैग में भरी ज्वेलरी पैकेट्स में थी और यह देख पुलिस तीनों को थाने लेकर पहुंची। चुंकि ज्वेलरी से संबंधित कोई वैध दस्तावेज वे प्रस्तुत नहीं कर पाए इसलिए आईटी विभाग को सूचना दी गई। इन तीनों के बैग से 10 से ज्यादा पैकेट में सोने की अंगूठियां, 10-15 लाख रु के हार के कई सेट, सोने के कड़े और चूड़ियों के साथ झुमके के भी पैकेट्स तथा लॉकेट और चेन हैं।

इस पूरी कार्रवाई में नगर पुलिस अधीक्षक पुरानीबस्ती राजेश कुमार देवांगन, निरीक्षक मनोज कुमार साहू थाना प्रभारी टिकरापारा, सहायक उप निरीक्षक नीलमणी साहू, प्रधान आरक्षक रेशम लाल काटले, मोहन लाल निषाद आरक्षक राजेश मण्डावी, मनोहर बंजारे, रविन्द्र कुर्रे, जश्वन शर्मा, मुकेश भोई, राजेन्द्र चौहान, देवचंद सिन्हा, ज्ञत्रष्ट शंकर यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

चाय बेचने वाले ने 400 लोगों से 100 करोड़ ठगे: रायपुर में शेयर ट्रेडिंग से दिया दोगुना मुनाफे का लालच

पुलिस की गिरफ्त में आए दो आरोपी, मामले में एक आरोपी पहले हुआ था गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में चाय का ठेला लगाने वाले एक युवक ने 400 से ज्यादा लोगों से 100 करोड़ रुपए ठग लिए। आरोपी शेयर ट्रेडिंग में निवेश कर लोगों को दोगुना फायदा होने का झांसा देता था। पुलिस ने इस मामले में मास्टरमाइंड सहित 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। खास बात यह है कि मुख्य आरोपी को लेकर दूसरे थाने में गुमशुदगी दर्ज थी। ठगी का मामला मंदिर हसौद थाना क्षेत्र का है। पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। जबकि एक आरोपी अभी फरार है। उसकी तलाश की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार कुबेर वर्मा ने थाने में शिकायत दी कि भुवनेश्वर साहू ने उसे शेयर बाजार में मुनाफा दिलाने का वादा किया था। इसके लिए रुपए निवेश करने की सलाह दी। उसकी बातों में आकर कुबेर ने करीब 7 लाख रुपए भुवनेश्वर के बताए बैंक खातों में जमा कर दिए। कुछ समय तक तो कुबेर को अच्छी रकम मिली, इसके बाद जब भी भुवनेश्वर से वह मुनाफे के बारे में पूछता तो वो टाल जाता। आरोप है कि इसके बाद भुवनेश्वर अपना मोबाइल बंद कर गायब हो गया। इसके बाद कुबेर को उससे ठगी होने का एहसास हुआ और थाने पहुंचा।

ऐसे देते थे लोगों को झांसा

पुलिस पूछताछ में भुवनेश्वर साहू ने बताया कि, लोगों को बताता था कि वो शेयर बाजार का बड़ा खिलाड़ी है। उसने सैकड़ों लोगों को विश्वास में लिया और दोगुना मुनाफा होने का झांसा दिया। बातों में आकर बहुत सारे लोगों ने उसे रुपए दिए। शुरुआती दिनों में उसने कुछ प्रॉफिट दिया। जिससे बड़े मुनाफे की लालच में लोगों से लाखों रुपए निवेश करा लिए। इस तरह 400 से ज्यादा लोगों से 100 करोड़ से ज्यादा रुपए ठग लिए।

देते थे 10 प्रतिशत कमीशन

पूछताछ में आरोपी भुवनेश्वर साहू ने बताया कि वह पहले चाय ठेला लगाता था। बाद में उसने मनोहर और शत्रुहन वर्मा के साथ मिलकर ठगी करना शुरू कर दिया। उसने ठगी के लिए बाकी आरोपियों को 10 प्रतिशत कमीशन पर रखा था। वे लोगों को झांसा देकर निवेश कराते थे। भुवनेश्वर ने पुलिस को बताया कि एकत्र की गई रकम में से करीब 2 करोड़ रुपए शेयर मार्केट में निवेश किए। बाकी रकम से अपने और अन्य परिचितों के नाम पर जमीन व प्रॉपर्टी खरीदी। शेयर मार्केट में निवेश की गई रकम के बारे में बताया कि वह डूब गई। उसके बयान के बाद पुलिस ने आरोपी मनोहर साहू को भी पकड़ लिया। जबकि दूसरे आरोपी शत्रुहन की गिरफ्तारी पुलिस पहले ही कर चुकी थी। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी भुवनेश्वर साहू की थाना आरंग में गुमशुदगी दर्ज है। पहले पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि भुवनेश्वर धमतरी में छिपा हुआ है। यह भी सामने आया कि उसने बचने के लिए परिचितों के सहयोग से अपनी गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

भिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार
बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
V.I.P happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

क्षेत्रीय उद्यमी सम्मेलन का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ, लघु उद्योग भारती के कार्यों को सराहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अग्रसेन भवन खुर्सीपार में आयोजित क्षेत्रीय उद्यमी सम्मेलन 2024 का शुभारंभ दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, लघु उद्योग के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य पुरूषोत्तम पटेल, प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश सिंघानिया, लघु उद्योग भारती के म.प्र. अध्यक्ष राजेश मिश्रा सहित अन्य उद्यमी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उद्यमी सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि उद्यमिता के विकास और प्रदेश में नए निवेशकों को आकर्षित करने के लिए लघु उद्योग भारती द्वारा सम्मेलन का आयोजन एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि लघु उद्योग भारती, सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों के हित में काम करने वाला एक विशाल संगठन है। देश में इस संगठन की करीब 1000 इकाइयां और 65000 सदस्य होना सचमुच गौरव की बात है। सरगुजा और बस्तर जैसे जनजातीय क्षेत्रों में भी संगठन ने अपना विस्तार किया है। इससे निश्चित ही इन क्षेत्रों में भी लघु और सूक्ष्म उद्योगों को ताकत मिल रही है और उद्यमिता का विकास हो रहा है। हमारे प्रदेश में खनिज सम्पदा का भंडार है। यहां का 44 प्रतिशत भू-भाग वनों से आच्छादित है। हमारे प्रदेश में मेहनतकश किसान है, इसलिए छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है। यहां पर उद्योग की बहुत अच्छी संभावना है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आगे कहा कि आगामी माह नवम्बर में प्रदेश की नई उद्योग नीति 2024-29 लांच करने की तैयारी है। इस नीति में छोटे और मझोले उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष रूप से प्रावधान किये जा रहे हैं। उद्यमियों की मांग पर मुख्यमंत्री श्री साय ने लघु उद्योग भारती के लिए नया रायपुर में भूमि एवं मध्यप्रदेश के समान छत्तीसगढ़ में भी एमएसएमई (माइक्रो एंड स्माल मिडियम इंटरप्राइजेस) मंत्रालय के अधीन स्थापित करने का आश्वासन दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने लघु उद्योग भारती की 'छत्तीसगढ़ उद्योग दर्पण 2024' पुस्तक का विमोचन किया।

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि हमारी सरकार उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उद्योगों की स्थापना की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए सिंगल विंडो प्रणाली 2.0 लागू की गई है। उद्यमियों को अब विभिन्न विभागों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है। सभी आवश्यक अनुमतियां और लाइसेंस इसी पोर्टल के माध्यम से प्राप्त होंगे। उद्योगों में उत्पादित होने वाले माल की बिक्री हेतु विदेश से एमओयू किया गया है। श्री देवांगन ने कहा कि उद्योगों के विस्तार के लिए कार्य किया जा रहा है। सरकार द्वारा इस्पात उद्योग को बढ़ावा देने के लिए कई नीतियां लागू की जा रही है, जो इस उद्योग को गति देगी।

इस अवसर पर दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर एवं अन्य जनप्रतिनिधि तथा कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी, पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला, संयुक्त कलेक्टर हरवंश मिरी सहित बड़ी संख्या में म.प्र.एवं छत्तीसगढ़ के उद्यमी उपस्थित थे।

आईएफएस ऑफिसर्स के कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम साय, वन खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय यहां नवा रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित आईएफएस ऑफिसर्स एसोसिएशन के कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ में आयोजित 27 वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में बतौर खिलाड़ी हिस्सा ले रहे देश भर से आए वन विभाग के अधिकारियों से मुलाकात की और उनका हौसला बढ़ाया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मैं विभिन्न प्रदेशों से हमारे वन विभाग के अधिकारीगण जो बतौर खिलाड़ी आये हैं

उन सभी का छत्तीसगढ़ प्रदेश में बहुत-बहुत स्वागत करता हूं। यह छत्तीसगढ़ के लिए सौभाग्य का विषय है कि राष्ट्रीय स्तर का यह 27वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता का हमारे छत्तीसगढ़ में आयोजन हुआ है। इसके लिए मैं केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव और पूरे विभाग को आभार देता हूँ। मैं उम्मीद करता हूँ कि छत्तीसगढ़ में आकर आप सभी को बहुत अच्छा लगा होगा। छत्तीसगढ़ बहुत सुंदर प्रदेश है। यहां पर 44 फीसदी वन है और कई जलप्रपात और गुफाओं सहित अनेक दर्शनीय स्थल हैं। इस खेलकूद प्रतियोगिता के माध्यम से हमारे देशभर के आईएफएस अधिकारियों के साथ-साथ वन विभाग के जितने खिलाड़ी हैं सबसे मिलने का यह अवसर यहां पर मिला है। आईएफएस ऑफिसर्स एसोसिएशन के कार्यक्रम वन मंत्री केदार कश्यप, स्वामी राजीव लोचन महाराज, आईएफएस एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के संरक्षक व्ही श्रीनिवास राव और अध्यक्ष सुश्री संजीता गुप्ता सहित अनेक अधिकारीगण उपस्थित थे।

श्रमिकों को स्वाभिमान से जीने का अधिकार दिला रही है साय सरकार- देवांगन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में श्रमिकों को रोजगार मुहैया कराने के लिए त्वरित कार्यवाही करें और शासन की योजनाओं का लाभ दिलाएं। श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने स्थानीय होटल में श्रम विभाग द्वारा 'श्रमिकों का सशक्तिकरण, भविष्य का निर्माण' विषय पर आयोजित कार्यशाला के समापन अवसर पर कहा कि प्रत्येक श्रमिक को काम देने के लिए श्रम विभाग द्वारा 84 लाख श्रमिकों का पंजीयन कर योजनाओं से लाभान्वित कर रही है। उन्होंने कहा कि कोई भी निर्माण कार्य बिना श्रमिकों के संभव नहीं है। सरकार श्रमिकों का सम्मान कर योजनाओं का लाभ दिलाकर स्वाभिमान से जीवन जीने का अधिकार दिला रही है। इस अवसर पर श्रम मंत्री ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभाग के मैदानी अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

श्रम मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है। इन योजनाओं का लाभ सभी पात्र एवं जरूरतमंद श्रमिकों को मिले, इस दिशा में श्रम विभाग के मैदानी अधिकारी त्वरित कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री की सोच है कि प्रदेश के श्रमिकों को इन योजनाओं का बेहतर लाभ मिले। इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा भी श्रमिकों के हित में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है। प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में 237 करोड़ रूपये का लाभ श्रमिकों को प्रदान किया गया। डीबीटी के जरिए यह राशि श्रमिकों के बैंक खाते में अंतरित की गई। श्रम मंत्री ने कहा कि श्रमिकों को किसी भी कार्य के लिए भटकना न पड़े। इस दिशा में विभाग के अधिकारी संवेदनशील होकर कार्य करें। श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों के हित में 70 योजनाएं संचालित की जा रही है।

सचिव सह श्रमायुक्त श्रीमती अलरमेलमंगई डी. ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि श्रम विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी पात्र और जरूरतमंद हितग्राहियों को दिलाना सुनिश्चित करें। पंजीकृत श्रमिक परिवार के बच्चों को शासन की छात्रवृत्ति योजना से भी लाभान्वित करें। उन्होंने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल, राज्य सामाजिक सुरक्षा मण्डल के अंतर्गत संचालित योजनाओं से असंगठित श्रमिकों को श्रम विभाग में पंजीयन कराकर लाभान्वित कराना सुनिश्चित करें। कार्यशाला में उप श्रमायुक्त एस.एस. पैकरा एवं औद्योगिक स्वास्थ्य सुरक्षा के उप संचालक टी.के. साहू द्वारा निरीक्षण अभियोजन एवं पालन प्रतिवेदन की जानकारी दी।

इस अवसर पर श्रम विभाग की उप सचिव डॉ. फरिहा आलम सिद्धिकी छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल सचिव श्रीमती सविता मिश्रा, अपर श्रमायुक्त एस.एल. जांगड़े सहित झारखंड एवं उत्तरप्रदेश से आए श्रम अधिकारी, प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए विभाग के मैदानी अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

भजन गायक हंसराज ने सुरमयी प्रस्तुति से जीता दिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर मड़ई और क्षेत्रीय सरस मेला के अवसर पर लालबाग मैदान, बस्तर में गुरुवार की शाम भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मशहूर भजन गायक हंसराज रघुवंशी ने अपनी सुरमयी प्रस्तुति से सभी का दिल जीत लिया। हजारों की संख्या में उपस्थित दर्शकों ने इस कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया।

हंसराज रघुवंशी, जिनकी गाथा गीतों और भजनों के लिए विशेष पहचान है, ने अपनी धुनों और भक्ति रस से सराबोर गीतों से पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। उन्होंने अपनी प्रसिद्ध गीत मेरा भोला है भंडारी के साथ एक के बाद एक लोकप्रिय भजन प्रस्तुत किए, जिनमें जय शिव शंकर, मेरे भोलेनाथ और अन्य कई प्रसिद्ध गीत शामिल थे। रघुवंशी ने अपनी प्रस्तुति के दौरान दर्शकों से गीत में

सहयोग और तालियों से सहभागिता की अपील की तो दर्शकों ने भी बराबर सहायता की। कार्यक्रम में नारायणपुर के प्रसिद्ध अबुझमाड मलखंभ अकादमी के हुनरबाज मलखंभ प्रदर्शन, बादल अकादमी की प्रस्तुति सहित स्थानीय लोकनृत्य दलों ने भी प्रस्तुति दी। दर्शकों की हजारों की संख्या में पहुँचने वाले बस्तरवासियों के साथ ही समीपवर्ती जिलों और ओड़िसा राज्य के भी जन पहुँचे थे।

शासन और जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस बस्तर मड़ई और सरस मेला क्षेत्र भी चहल-पहल से भरा रहा, जहां विभागीय योजनाओं की प्रदर्शनी तथा स्व-सहायता समूहों के उत्पाद और हस्तशिल्प के स्टॉल ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। मेला में आई भीड़ ने न केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद लिया, बल्कि बस्तर की समृद्ध लोक संस्कृति और शिल्प का भी अनुभव किया। बस्तर मड़ई और क्षेत्रीय सरस मेला का यह आयोजन प्रदेश एवं अन्य राज्य की संस्कृति, परंपरा और कला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है। हंसराज रघुवंशी जैसे कलाकारों की उपस्थिति ने इस आयोजन को और भी खास बना दिया। शुक्रवार 18 अक्टूबर की शाम को दायरा बैंड की प्रस्तुति हुई जबकि 19 अक्टूबर को 'मोह मोह के धागे' गीत से राष्ट्रीय फिल्म पुरूस्कार से सम्मानित पार्श्व गायिका मोनाली ठाकुर और गायक शबाब सबरी की प्रस्तुति होगी।

बच्चों का सम्पूर्ण विकास सरकार की प्राथमिकताः मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

बच्चों के सही पोषण और देखरेख के लिए उमंग कार्यक्रम का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता सभी बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है, इसमें वे बच्चे भी शामिल है, जिन्हें विभिन्न कारणों से संस्थाओं में रहना पड़ रहा है। संस्थाएं उन बच्चों का घर नहीं है। उन्होंने कहा कि वास्तव में किसी व्यक्ति का सम्पूर्ण विकास परिवार और समाज के बीच रहकर ही हो सकता है। इसे ध्यान में रखकर किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 में गैर संस्थागत देखरेख का समावेश किया गया है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने रायपुर के स्थानीय होटल में आयोजित पोषण देखरेख कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु राज्य स्तरीय पोषक परिवार सम्मेलन एवं पोषक परिवार नेटवर्क पर कार्यशाला उमंग का शुभारंभ किया। इस कार्यशाला में देखरेख और संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के पुनर्वास और उन्हें समाज की मुख्य धारा में शामिल करने पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में पोषण देखरेख ब्रोशर का विमोचन एवं वीडियो जारी किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने पोषण देखरेख (फॉस्टर केयर) कर रहे पोषक परिवारों को भी सम्मानित किया। इस कार्यशाला का आयोजन महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा यूनिसेफ के सहयोग से किया गया।

कार्यक्रम के दौरान श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कुशल नेतृत्व में विभाग ने महिलाओं एवं बच्चों के लिये अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्ग बच्चों को विकास के अवसर देने से प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं और अपने समाज और प्रदेश का नाम गौरवान्वित कर सकते हैं। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि पोषण देखरेख (फॉस्टर केयर) संस्था के बाहर बच्चों की देखरेख का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। ''मिशन वात्सल्य'' के तहत जरूरतमंद और संरक्षण वाले बच्चों को पारिवारिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए गैर नातेदार परिवार में अस्थाई देखरेख और संरक्षण की व्यवस्था की जाती है। इससे पोषक परिवार में जहां उत्साह, उमंग का संचार होता है। वहीं बच्चों को समुचित विकास का पूरा मौका मिलता है। इन बच्चों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिये प्रत्येक नागरिक को संवेदनशील और सहयोगी होना होगा। उन्होंने अपील कि है कि समाज के सभी वर्ग, स्वयं-सेवी संस्थाएं, सरकार के साथ बच्चों को पारिवारिक वातावरण उपलब्ध कराने और उनके विकास के अवसर उपलब्ध कराने एकजुट होना होगा, जिससे एक योग्य नागरिक और सशक्त भारत का निर्माण हो सके।

महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी ने बताया कि छत्तीसगढ़ में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए उल्लास, उम्मीद, उजियार, उमंग और उदय कार्यक्रम पर काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में राज्य में 112 बाल देखरेख संस्थाएं संचालित हैं, जिनमें से 33 विशिष्ट दत्तक ग्रहण अभिकरणों में 125 बच्चे निवासरत हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 56 बच्चों को विभिन्न परिवारों में दत्तक ग्रहण के माध्यम से पुर्नवासित किया है। 76 बाल देखरेख संस्थाओं में 2112 बच्चें निवासरत हैं, इनमें 61 बच्चे पोषण देखरेख कार्यक्रम हेतु चिन्हांकित किए गए हैं। राज्य में 22 बच्चें पोषण देखरेख कार्यक्रम अंतर्गत निवास कर रहे है एवं प्रवर्तकता (स्पॉन्सरशिप) कार्यक्रम के अन्तर्गत 1080 बच्चों को लाभ दिलाया जा रहा है।

कबीरधाम में पहली बार लगा स्वदेशी मेला

मंत्री राजवाड़े ने दीप जलाकर किया उद्घाटन

रायपुर। महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कवर्धा के पीजी कॉलेज मैदान में स्वदेशी मेला का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि स्वदेशी मेला हमारे भारत देश को आर्थिक रूप से मजबूत बनाता है। स्वदेशी मेला के माध्यम से अपने देश में बने चीजों को खरीदने के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया जा रहा है। स्वदेशी वस्तुएं आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन का भाव पैदा करता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेक इन इंडिया का संदेश दिया है और डिजिटल इंडिया को बढ़ाने का कार्य कर रहे है, जिससे देश मजबूत हो रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा प्रदेश में स्वदेशी वस्तु को बढ़ावा दिया जा रहा है। हमें अपने देश की समान खरीद कर देश को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करना चाहिए। श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि लगातार स्वदेशी मेला के माध्यम से यह प्रयास किया जा रहा है। पहले हमारा देश आर्थिक स्थिति में 11 वे नंबर पर था लेकिन आज हमारा देश 5 वे नंबर पर आकर मजबूत हुआ है। हमें इस बात का ज्ञान होना चाहिए कि हमारे पास कौन सी स्वदेशी वस्तुएं उपलब्ध है। हमें ऑनलाइन खरीदी करते समय इन बातों का ध्यान रखना चाहिए कि उपयोग करने वाली वस्तुएं स्वदेशी हो। कवर्धा के स्वदेशी मेले में बहुत सारे स्वदेशी वस्तुओं का स्टॉल लगाया गया है। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी को इस बात की जानकारी होना चाहिए कि देश

की अर्थव्यवस्था कैसे बढ़ेगी हम आत्मनिर्भर कैसे होंगे। हमारा दायित्व है कि हम आने वाली पीढ़ी को देश में बनी चीजों का उपयोग करने के लिए प्रेरित करें।

उल्लेखनीय है कि कवर्धा जिले में पहली बार स्वदेशी मेला का आयोजन हो रहा है, जिसका आगाज 17 अक्टूबर से कवर्धा के पीजी कॉलेज ग्राउंड में हुआ। स्वदेशी मेला में विभिन्न राज्यों से स्वदेशी उत्पादों के हैंडीक्राफ्ट, हैंडलूम के अलावा लखनऊ, बिहार, मध्यप्रदेश, दिल्ली, पंजाब और कश्मीर तक के स्टाल की प्रदर्शनी लगाई गई है। साथ ही प्रतिदिन भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। स्वदेशी मेले का मुख्य उद्देश्य स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना तथा लोगों तक स्वदेशी उत्पादों के प्रति जागरूकता पैदा करना है। स्वदेशी मेला को लेकर जिले के नागरिकों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। स्वदेशी मेला में 150 से अधिक स्टाल, सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए मंच और संचालन के लिए ऑफिस का भव्य सेटअप बनाया गया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950